www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
30 सितम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 143 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

10 दिन पहले अस्पताल में थी, मंगलवार को किया कमाल

भारतीय निशानेबाज नीरू ढांडा का 'गोल्ड' पर निशाना

नीरू एशियाड में ट्रैप शूटिंग जीतने वाली पहली भारतीय महिला

नगोया (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज नीरू ढांडा ने एशियन गेम्स में विमेंस ट्रैप शूटिंग का गोल्ड मेडल जीत लिया है। नीरू एशियाड में इस इवेंट का गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। नीरू 10 दिन पहले तक दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती थीं। उन्हें फ्लू हुआ था और चार दिन तक वह गन उठाने की स्थिति में भी नहीं थी। उन्होंने तेज रिकवरी की और आज भारत के लिए गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। नीरू की इस कामयाबी की बदौलत भारत के नाम अब तक 6 गोल्ड सहित 50 मेडल हो गए हैं। हालांकि, भारत अब भी मेडल टेबल के टॉप-10 में नहीं आ पाया है। टीम 11वें स्थान पर है। नीरू 10 दिन पहले हॉस्पिटल में एडमिट थीं। उन्हें तेज फ्लू था।

महिलाओं ने किया कमाल, दिलाया छठवां गोल्ड

एशियन गेम्स 2026 में भारत को दिन का दूसरा और कुल छठा गोल्ड मेडल मिल गया है। महिलाओं की 4×400 मीटर रेस में भारत ने चीन को मात देते हुए गोल्ड पर कब्जा जमाया। विथ्या रामराज, किरण, प्राची और पूवम्मा की भारतीय चौकड़ी ने इस रेस में भारत के लिए हिस्सा लिया।

यूटीईटी में अभ्यर्थी की जगह परीक्षा दे रहा मुन्नाभाई गिरफ्तार

परीक्षा केंद्र से मुन्ना भाई को कोतवाली ले जाती पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूटीईटी) में अभ्यर्थी की जगह परीक्षा दे रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बेरोजगार संघ के अध्यक्ष राम कंडवाल की सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम ने परीक्षा केंद्र पहुंचकर कार्रवाई की।

आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।मंगलवार को कोटद्वार में यूटीईटी की परीक्षा के लिए पांच परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा शुरू होने के करीब आधे घंटे बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस को सूचना मिली कि महाविद्यालय के समीप स्थित एक परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थी की जगह कोई अन्य युवक परीक्षा दे रहा है। सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने परीक्षा केंद्र में परीक्षा दे रहे युवक से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम हिमांशु निवासी उत्तर प्रदेश बताया। उसने स्वीकार किया कि वह काशीरामपुर निवासी विकास कुमार के स्थान पर परीक्षा देने पहुंचा था। बेरोजगार संघ के अध्यक्ष राम कंडवाल ने बताया कि उन्हें सोमवार को जानकारी मिली थी कि विकास कुमार का कुछ दिन पूर्व एक्सीडेंट हुआ था और उसके चेहरे पर चोट लगी है। इसके बावजूद परीक्षा केंद्र में उसकी जगह पहुंचे युवक के चेहरे पर चोट के कोई निशान नहीं थे।

इसी आधार पर संदेह होने पर उन्होंने पुलिस और प्रशासन को इसकी सूचना दी। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार ठाकुर ने बताया कि आरोपी हिमांशु के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। मामले में पुलिस की ओर से आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

रामद्रोहियों को अयोध्या का वैभव बर्दाश्त नहीं हो रहा

सीएम योगी बोले-ये भ्रम पैदा करेंगे

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में सीएम योगी मंगलवार को महंत दिग्विजयनाथ की 57वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह में शामिल हुए। गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी ने कहा- आज अयोध्या में रामलला का भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। 500 वर्ष के बाद अयोध्या एक बार फिर से हर सनातन धर्मावलंबी को गौरव की अनुभूति कराती है। उन्होंने कहा- आज जब अयोध्या स्थित भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बन गया है तो रामद्रोहियों को अयोध्या का

वैभव बर्दाश्त नहीं हो रहा है। राम द्रोही भ्रम पैदा करेंगे। उन्होंने कहा- जब बजरंग बलि भी संजीवनी बूटी लेने गए थे तो भ्रम पैदा करने के लिए उनके रास्ते कोई कालनेमि आया था। हनुमान जी पहचान गए थे। आप भी रामभक्तों को भी वह शक्ति अपने अंदर अर्जित करनी चाहिए। सनातन धर्म की एकता व गौरव के मार्ग में किसी प्रकार का भ्रम नहीं होना चाहिए, कोई संशय नहीं होना चाहिए। हम सही दिशा में आगे बढ़े हैं और उसी गति की परिणति है कि काशी में बाबा विश्वनाथ का भव्य मंदिर बना है। अध्योध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर बना है। **समाज के लिए समर्पित होना ही महापुरुषों की पहचान-** सीएम योगी ने कहा- जब आप महापुरुषों के बारे में जानते, सुनते है, एक नई प्रेरणा प्राप्त होती है। आज युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की पुण्यतिथि है। आज से लगभग 95 वर्ष पहले जब यह देश गुलाम था, जब साधन नहीं थे, संसाधनों का भी अभाव था, तब महंत दिग्विजयनाथ ने गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की।

सौरभ भारद्वाज-विधायक जरनैल पर एफआईआर

हेड कांस्टेबल सादे कपड़ों में केजरीवाल का बना रहा था वीडियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के तिलक नगर में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर आरोप है कि उन्होंने सादे कपड़ों में मौजूद दिल्ली पुलिस के एक हेड कॉन्स्टेबल को घेरकर मारपीट की। अरविंद केजरीवाल सोमवार को यहां दौरे पर थे और पुलिसकर्मी मोबाइल से केजरीवाल की रिकॉर्डिंग कर रहा था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने सौरभ भारद्वाज, जरनैल सिंह, साहिब सिंह और एएपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। वहीं, सौरभ भारद्वाज और विधायक जरनैल सिंह को मंगलवार को पुलिस ने पुलिस हेडक्वार्टर के बाहर

प्रदर्शन के दौरान हिरासत में ले लिया। ये सभी मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। दरअसल, दो दिन पहले, 27 सितंबर को दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने एक युवक को थप्पड़ मारा था। इसके अगले दिन सोमवार को प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल को चेतावनी दी कि सरकारी काम रोकने वाले एएपी नेताओं और समर्थकों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वीडियो में भीड़ पुलिसकर्मी को धक्का देते और उसके साथ बदसलूकी करते नजर आ रही है। पुलिसकर्मी को फ्लाईओवर के नीचे ले जाया गया और उसे वहां से जाने नहीं दिया गया। वर्दी में मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने अपने साथी को बाहर निकाला।

देश के पिछले कई चुनावों में हुई है फिक्सिंग

राहुल बोले-मुख्य चुनाव आयुक्त समझौता कर चुके हैं

कांग्रेस की आयोग-सरकार के खिलाफ रणनीति पर बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मंगलवार को ढाई घंटे बैठक हुई। इसमें राहुल गांधी ने कहा, मुख्य चुनाव आयुक्त पूरी तरह समझौता कर चुके हैं और देश की चुनाव व्यवस्था 'फिक्स' है। हाल के सभी चुनाव अवैध हैं। राहुल ने कहा, चाहे एसआईआर हो या मतदाता सूची, दोनों से छेड़छाड़ की गई है। दोनों का इस्तेमाल भाजपा चुनाव जीतने की रणनीति के तौर पर कर रही है। बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तत्काल इस्तीफा दें। एसआईआर तत्काल रोकी जाए। हटाए गए 13 करोड़ 30 लाख नाम बहाल किए जाएं, प्रस्ताव पास किए गए। बैठक में 68 सदस्यों ने हिस्सा लिया।

पीएम मोदी ने युवाओं को वोट देने से रोकने की साजिश रची- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार मोदी सरकार की कठपुतली बन गए हैं। उन्हें तुरंत हटाया जाना चाहिए। मोदी सरकार ने व्यवस्थित रूप से उस मजबूत लोकतांत्रिक नींव को खोखला कर दिया है जिसे हमारे पूर्वजों ने बनाया था। युवाओं को वोट देने से रोकने की साजिश- पीएम मोदी ने युवाओं को वोट देने से रोकने की साजिश रची है। फॉर्म 6 से जुड़े नियमों में गैरकानूनी तरीके से बदलाव किया गया।

हम तुम्हारा बचपन लौटा नहीं सकते, लेकिन साहस याद रखेंगे

● दिल्ली की जज ने रेप पीड़ित बच्ची को लिखा 'स्पेशल' लेटर ● रजनी रंगा ने लिखा-दोषी अब कभी जेल से बाहर नहीं आ पाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की ट्रायल कोर्ट जज रजनी रंगा ने 10 साल की रेप पीड़ित बच्ची के लिए फैसला सुनाने के बाद एक खास लेटर लिखा।

इसमें उन्होंने कहा- हम तुम्हारा बचपन तो नहीं लौटा सकते, लेकिन तुम्हारी हिम्मत याद रखेंगे। जिसने तुम्हें चोट पहुंचाई, वह अब कभी जेल से बाहर नहीं आ पाएगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने अब इस लेटर को बच्ची या उसके परिवार तक पहुंचाने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने इसे 'करेज नोट' यानी साहस का संदेश बताया। नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को इसे प्रिंट कर दो हफ्ते में बच्ची तक पहुंचाने को कहा गया है। मामला 23 जुलाई 2023 का है। उस समय बच्ची 7 साल की थी। उसके माता-पिता ने सुमित शक्य के खिलाफ रेप की शिकायत की थी। बच्ची उसे अंकल कहती थी। पीड़ित ने कोर्ट से कहा था कि अंकल को तब तक जेल में रखा जाए, जब तक वह बूढ़ा न हो जाए।

आरोपी को उम्रभर जेल की सजा, बच्ची को 10.50 लाख मुआवजा- सुमित शक्य को पॉक्सो के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्ची के खिलाफ गंभीर यौन अपराध के मामले में प्राकृतिक जीवन के बाकी समय तक कठोर कारावास की सजा मिली है। उस पर 1 लाख का जुर्माना भी लगाया गया। आपराधिक धमकी के मामले में उसे 5 साल की कठोर कैद और 20 हजार जुर्माने की सजा सुनाई गई। दोनों सजाएं साथ चलेंगी।

'डियर चाइल्ड' से शुरू हुआ लेटर

जज रजनी रंगा ने लेटर की शुरुआत 'डियर चाइल्ड' से की। उन्होंने बच्ची के कोर्ट में आने, आरोपी की पहचान करने और सच बताने की हिम्मत की तारीफ की। जज ने लिखा- तुम चुप नहीं रही, बल्कि अपनी मां को पूरी बात बताई। तमने जिस हिम्मत के साथ सच बताया, उससे आरोपी को किसी दूसरे बच्चे को नुकसान पहुंचाने से रोका जा सका। कोर्ट तुम्हारी इस बहादुरी को याद रखेगा। जज ने लेटर में लिखा- कोर्ट ने तुम्हारी बात सुनी है। दोषी अपनी जिंदगी के बाकी समय तक जेल में रहेगा। वह जेल में ही बूढ़ा होगा और वहीं उसकी जिंदगी खत्म होगी। वह तुम्हें, तुम्हारी छोटी बहन या किसी दूसरे बच्चे को दोबारा नुकसान नहीं पहुंचा सकेगा।

अरुणाचल में भारत-म्यांमार सीमा पर उग्रवादी हमला

● असम राइफल्स का जवान हो गया शहीद, 4 घायल ● गश्त के दौरान घात लगाकर उग्रवादियों ने की फायरिंग

इटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में मंगलवार को उग्रवादी हमले में असम राइफल्स का एक जवान शहीद हो गया। 4 अन्य जवान घायल हो गए। हमला भारत-म्यांमार सीमा के पास नामपोंग सर्कल में सुबह करीब 6.30 बजे हुआ। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार हमला नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड का (युंग आंग गुट) के उग्रवादियों ने किया है। गश्त के दौरान गोलीबारी में हवलदार जानखोकाई कुकी (42) शहीद हो गए। हमला नामपोंग नाले के पास हुआ। इस इलाके में सीमा पर बाड़ लगाने का काम चल रहा है। शुरुआती जांच और खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि घात लगाकर किए गए हमले के लिए नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड का युंग आंग गुट के उग्रवादी जिम्मेदार हैं। हमले के बाद, भारतीय सेना और जिला पुलिस ने तुरंत इलाके की घेराबंदी की और भाग रहे उग्रवादियों को पकड़ने के लिए आस-पास के जंगलों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया।

बांग्लादेश के आतंकी संगठन से बंगाल को खतरा!

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में कथित तौर पर आतंकी मॉड्यूल और स्लीपर सेल बनाने की कोशिश कर रहे आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश की जांच-पड़ताल में एनआईए ने पश्चिम बंगाल के विभिन्न जगहों पर छापेमारी अभियान चलाया है। असम में दर्ज एक केस के आधार पर, इन्वेस्टिगेटर ने मंगलवार सुबह पश्चिम बंगाल में डायमंड हार्बर, बर्दवान और दक्षिण दिनाजपुर समेत कुल 5 इलाकों में एक साथ सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सूत्रों के मुताबिक दक्षिण दिनाजपुर जिले के बंशीहारी थाने के कुशकारी मुंडेहार गांव में सुबह सुबह सुबह 5.30 बजे सेंट्रल जांच एजेंसी एनआईए की चार मेंबर टीम ने किसान मिजानुर रहमान के घर पर रेड की। इस घटना से पूरे गांव में हड़कंप मच गया है।

आतंकवाद पर सहानुभूति नहीं तो रिश्ते प्रभावित होंगे: जयशंकर

अमेरिका-पाकिस्तान की गलबहियां पर पहली बार खुल कर बोले विदेश मंत्री

साझेदार देश भारत की संवेदनाओं का ख्याल रखें, वरना रिश्ते प्रभावित होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका दौरे के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों में पिछले डेढ़ वर्षों से चले आ रहे तनाव पर खुलकर बात की। एशिया सोसायटी में सोमवार को हुए कार्यक्रम में उन्होंने साफ कहा कि व्यापार मतभेद और पाकिस्तान-पोषित आतंकवाद, ये दोनों मुद्दे भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने संकेत दिया कि अगर साझेदार देश भारत की प्रमुख संवेदनाओं का ख्याल नहीं रखते, तो उसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ेगा। आतंकवाद पर भारतीय विदेश मंत्री ने खास तौर पर जोर दिया और इसे भारत के लिए संवेदनशील मुद्दा बताया।

हमारी चिंताओं का ख्याल नहीं तो संबंधों पर असर पड़ेगा

उन्होंने कहा, एक-दूसरे की संवेदनाओं का ख्याल रखना महत्वपूर्ण मुद्दा है। भारत के लिए खास तौर पर आतंकवाद का मुद्दा काफी संवेदनशील है। हमें लगता है कि दुनिया में बहुत कम देश हैं जिन्होंने अपने पड़ोसी देश की तरफ से जान-बूझकर पोषित आतंकवाद को उस तरह से झेला है जैसा हमने झेला है। जो मुद्दा हमारे लिए इतना महत्वपूर्ण है, अगर कोई हमारा साझेदार हमारी प्रमुख चिंताओं का ख्याल नहीं रखता है तो इसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ेगा। यह बयान बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पाक पहुंचा भारतीय दल

● एससीओ की बैठक में शामिल हुए, पीएम मोदी को न्योता दे सकता है इस्लामाबाद

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के करीब डेढ़ साल बाद भारत ने एससीओ की बैठक में शामिल होने के लिए अपना एक सीनियर अधिकारी पाकिस्तान भेजा है। विदेश मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी और भारत के एससीओ को-ऑर्डिनेटर आलोक डिमरी सोमवार से इस्लामाबाद में शुरू हुई बैठक में भारतीय टीम की अगुवाई कर रहे हैं। यह बैठक बुधवार तक चलेगी। बैठक में पाकिस्तान की अध्यक्षता में होने वाले एससीओ के कार्यक्रमों, आने वाली बैठकों की तैयारियों और संगठन से जुड़े दूसरे मुद्दों पर चर्चा होगी। पाकिस्तान में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्योता दिए जाने की भी संभावना है। **पाकिस्तान से द्विपक्षीय बातचीत नहीं करेगा भारत-** भारत ने साफ किया है कि पाकिस्तान में एससीओ की बैठक में शामिल होने का मकसद सिर्फ संगठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना है। भारत की अलग से द्विपक्षीय बातचीत नहीं होगी।

संपादकीय

छात्र संघ चुनाव आखिर कितने उपयोगी?

उत्तराखंड में एक साथ महाविद्यालयों के छात्र संघ चुनाव संपन्न कर लिए गए हैं। एबीवीपी व एनएसयूआई ने अपनी जीत के दावे किए हैं तो वही निर्दलीय भी एक अच्छा स्थान विभिन्न पदों पर प्राप्त करने में सफल रहे हैं। हर वर्ष छात्र संघ के चुनाव आयोजित किए जाते हैं जिन्हें संपन्न कराने में अच्छा खासा पैसा खर्च किया जाता है तो वही जीतने के लिए हिंसक घटनाएं भी देखने को मिलती है। क्या छात्र संघ चुनाव में जीतने वाले नेता छात्रों के हितों के साथ न्याय कर पाते हैं या फिर साल दर साल छात्रों की समस्याएं जस की तस बनी रहती हैं। चुनाव जीतने वाले छात्र नेता अपना राजनीतिक भविष्य तलाश करते हैं लेकिन कहीं ना कहीं छात्रों के हितों के मुद्दे फिर भी धरे के धरे रह जाते हैं। देखा जाए तो छात्र संघ चुनावों का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाना और उनके समाधान के लिए संघर्ष करना है। फीस वृद्धि, छात्रवृत्ति, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, छात्रावास, परिवहन, रोजगारोन्मुखी शिक्षा और परिसर की सुरक्षा जैसे विषय छात्र राजनीति के केंद्र में होने चाहिए। चुनाव के दौरान अधिकांश प्रत्याशी इन्हीं मुद्दों को लेकर बड़े-बड़े वादे करते हैं और छात्रों से समर्थन मांगते हैं। लेकिन चुनाव समाप्त होने और पद प्राप्त होने के बाद अक्सर। प्राथमिकताएं बदलती हुई दिखाई देती हैं। महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव सिर्फ और सिर्फ राजनीति में पैर जमाने का प्लेट-फॉर्म ही बनकर रह गए हैं। छात्र नेताओं का ध्यान विद्यार्थियों की समस्याओं से अधिक अपनी राजनीतिक पहचान बनाने और भविष्य के राजनीतिक करियर को मजबूत करने पर केंद्रित हो जाता है। परिणामस्वरूप जिन मुद्दों को लेकर चुनाव लड़ा गया था, वे पीछे छूट जाते हैं और छात्रों की अपेक्षाएं अधूरी रह जाती हैं। कमतर ही ऐसा देखने को मिला कि छात्रों के हितों के लिए छात्र संगठन में कोई बड़ा आंदोलन या संघर्ष छेड़ा हो। यदि नेतृत्व इच्छाशक्ति और जवाबदेही के साथ छात्र नेता कार्य करे तो छात्र संघ वास्तव में विद्यार्थियों के हितों का सशक्त माध्यम बन सकता है। सामान्य चुनाव हो या फिर छात्र संघ से जुड़े हुए, लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नही है; चुने गए प्रतिनिधियों के कार्यों की निरंतर समीक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि छात्र संघ चुनावों को अधिक मुद्दा-आधारित और जवाबदेह बनाया जाए। निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपने कार्यकाल का नियमित लेखा-जोखा विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत करना चाहिए। विश्वविद्यालय प्रशासन और छात्र संगठनों के बीच संवाद की संस्थागत व्यवस्था विकसित होनी चाहिए ताकि समस्याओं का समाधान केवल आंदोलनों के माध्यम से नहीं, बल्कि रचनात्मक संवाद से भी हो सके। वोडाफोन आया है कि छात्र संघ चुनाव जीतना बड़े राजनीतिक दलों के लिए भी प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुका है और उनकी यह प्रतिष्ठा की जीत छात्र राजनीति को भी कहीं ना कहीं कलुषित कर रही है। कॉलेज कैंपस में राजनीतिक दलों की छात्र इकाइयों का दबदबा बना हुआ है लेकिन सुखद पक्षी है कि इसके बावजूद भी निर्दलीय लड़ने वाले छात्र अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करते हैं। छात्र राजनीति सिर्फ चुनाव लड़ने तक सीमित रह गई है और लगता नहीं की पिछले कई दशकों से छात्रों की मूलभूत समस्याओं के निवारण में कोई सुधार देखने को मिला हो या फिर महाविद्यालय में ही सामान्य बुनियादी सुविधाएं बहाल हुई हो।

पहाड़ तीर्थ और धार्मिक आयोजन की गरिमा को बचाना जरूरी

ऋतुपर्ण दवे

हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों से तेज आवाज के कारण गंभीर घटनाएं और मौतें सामने आई हैं,बद्रीनाथ धाम जैसे पवित्र स्थलों और विभिन्न विसर्जन यात्राओं में डीजे के नाम पर होने वाले शोर-शराबे और डांस को लेकर विवाद बढ़ गया है।धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में डीजे के बढ़ते शोर से गंभीर नुकसान हो रहा है, जो अब केवल सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रम न रहकर एक बड़ा सामाजिक और स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है।

हाल ही में पवित्र तीर्थ स्थल बद्रीनाथ पर आयोजित कार्यक्रम के सम्बन्ध में लोगों का मानना है कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों से शांति और गरिमा नष्ट होती है।ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने इस आयोजन की कड़ी आलोचना की।इसे देवभूमि की संस्कृति के खिलाफ और बाजारू संस्कृति करार दिया गया। पर्यावरणविदों और स्थानीय लोगों ने भी उच्च हिमालयी और संवेदनशील इको-जोन में तेज बेस व कंपन से ग्लेशियर/पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई।

आपको बता दें कि बद्रीनाथ धाम पर मुरली मनोहर जोशी ने चिंता व्यक्त की है कि अब खुद जिम्मेदार लोग ही इस पर धर्म और आस्था के नाम पर नियम-कानूनों को ताक पर रखना, प्रकृति को नुकसान पहुंचाना और आम जनता के जीवन से खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रहें हैं , यह विकृति बढ़ रही हैं। अभी 19 और 20 सितंबर को उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम पर टूरिस्ट अराइवल प्लाजा में दो दिनों के देवभूमि सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के दौरान तेज आवाज में डीजे, साउंड सिस्टम और गानों पर लोगों के थिरकने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इस के बाद आलोचना का दौर शुरू हो गया।

आपको यह भी बता दें कि सत्ता रूढ़ दक्षिण पंथी पार्टी भाजपा जेन-जी पीढ़ी को संस्कार संस्कृति से जोड़ कर अपसंस्कृति गालीबाजी और बड़ों को अपशब्द व आपत्तिजनक व्यवहार से बचाने दूसरी ओर टर्न करने के लिए सक्रिय है। इसी कड़ी में देश भर के जेन-जी को आकर्षित करने के लिए कुछ कार्यक्रम किए जा रहे हैं।बद्रीनाथ के कार्यक्रम में खुद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल हुए। आपको पता रहे अभी दो दिन पहले खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भजन क्लबिंग में हिस्सा लिया और बाकायदा ट्वीट किया कि हमारी जेन जी भजन क्लबिंग की ओर बढ़ रही है... यह आध्यात्मिकता और आधुनिकता का एक सुंदर संगम है, जिसमें भजनों की पवित्रता का भी पूरा ध्यान रखा जाता है।वहीं यह भी मानने वाली बात है कि जिन्हें आलोचना करनी है उनको हर काम में बुराई नजर आती है नई पीढ़ी को धर्म अध्यात्म की ओर आकर्षित कर उन्हें ड्रग्स लिव-इन रिलेशन अमर्यादित यौन हिंसा और विकृत सम्बन्धों से काफी हद तक बचाया जा सकता है। बहरहाल, प्रधानमंत्री ने भजन क्लीबिंग का एक ट्वीट भी किया था यह ट्वीट बता रहा है कि अभी उन्होंने नयी पीढ़ी से जुड़ने की कोशिश की है।नयी पीढ़ी अध्यात्म दर्शन भक्ति और नवोन्मेष के मॉडल को अपना रही है, जिसे वो नैतिकता आध्यात्मिकता और आधुनिकता का संगम कह रहे हैं। नैतिकता आध्यात्मिकता दर्शन नवोन्मेष आधुनिकता में कभी भी अलगाव नहीं रहा है, ये हमेशा साथ चले हैं।

दूसरी ओर यह भी नकारा नहीं जा सकता है कि कुछ लोग अलग ही किस्म का दर्शन धार्मिक कार्यक्रमों पर थोप रहे हैं, जिसमें भक्ति के नाम पर सड़क पर शोभा यात्रा डीजे और देव स्वरूपों को नचाने का धतकरम चल रहा है धर्म के इस दिखावे में धर्म का नुकसान हो रहा है, यदि ऐसा कार्यक्रम तीर्थ स्थलों पर आयोजित किया जाता है तो सदियों से धर्म की रक्षा करने वाले तीर्थों की गरिमा को भी नुकसान पहुंच रहा है। बद्रीनाथ में सांस्कृतिक महोत्सव का अपना महत्व है इस तरह के आयोजन की रूपरेखा बनाते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे महोत्सव के दौरान तेज संगीत, डीजे वर्जित रखा जाए और मयार्दाओं में रह कर पहाड़ प्रकृति और धर्म का आचरण किया जाए। हाल ही के बद्रीनाथ कांसर्ट की आलोचना को सिरे से नकार देना उचित नहीं है हिमालय प्रेमी और बद्रीनाथ के प्रति श्रद्धा रखने वाले कई लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई। यहां तक कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और विज्ञान के शिक्षक रहे मुरली मनोहर जोशी ने भी सोशल मीडिया पर इस आयोजन की तीखी आलोचना करते हुए लिखा, बद्रीनाथ धाम में संगीत समारोह को छूट दिया जाना न सिर्फ सांस्कृतिक मयार्दाओं का उल्लंघन है बल्कि धाम की पवित्रता पर भी सीधा आघात है। आदि गुरु शंकराचार्य महाराज जी द्वारा इस धाम की स्थापना हिमालयी पर्यावरण में शांतिपूर्ण तरीके से भगवत भजन के लिए की थी। गौर करने वाली है कि इस जगह पर शंख बजाना भी मना है लेकिन हम उसे भूलकर शोर-शराबे वाले संगीत कार्यक्रमों का आयोजन कर भारतीय आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय मूल्यों की घोर उपेक्षा तो कर ही रहे हैं, साथ में इतनी ऊंचाई पर हजारों लोगों के नाचने से उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की भी उपेक्षा कर रहे हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि अब देवभूमि को बाजारू संस्कृति के रूप में परिणीत किया जा रहा है।

जोशीजी की चिंता उचित और विचारणीय है। इसी क्षेत्र के माणा गांव के पूर्व प्रधान पीताम्बर सिंह मोलफा ने कहा कि हमारा इलाका बहुत ही संवेदनशील है। यहां धार्मिक परंपराओं और स्थानीय लोगों की भावनाओं को समझे बिना कोई भी बड़ा कार्यक्रम करना ठीक नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि चिपको आंदोलन से जुड़े चंडी प्रसाद भट्ट जी जैसे पर्यावरणविदों ने इस क्षेत्र के लिए काफी सुझाव दिए हैं, लेकिन मास्टर प्लान तैयार करते समय उनकी बातों को दरकिनार किया गया। मास्टर प्लान के तहत बड़ी-बड़ी मशीनें दिन-रात शोर कर रही हैं, हेली सेवा से जो शोर होता है, उस पर कोई बात नहीं करता। हालांकि अब प्रशासन कह रहा है कि भविष्य में बद्रीनाथ में ऐसे किसी भी कार्यक्रम पर रोक लगाई गई है। लेकिन उसे जवाब देना चाहिए कि पहले ही यह सब क्यों नहीं रोका गया। प्रदूषण से केवल बद्रीनाथ नहीं केदारनाथ धाम भी ग्रस्त है। यहां आई विनाशकारी बाढ़ ने बता दिया था कि किस तरह जरूरत से ज्यादा भीड़ पहुंचने से सारा इको सिस्टम प्रभावित हो रहा है। केदारनाथ क्षेत्र में स्थानीय लोग लंबे समय से पर्यावरण और बढ़ते पर्यटन के दबाव से जुड़ी समस्याओं की ओर ध्यान दिलाते रहे हैं। धाम के आसपास और यात्रा मार्ग पर साल-दर-साल रिकॉर्ड स्तर पर कचरा बढ़ रहा है, जिसका प्रबंधन नहीं हो पा रहा है। पर्यटक अपने पानी की खाली बोतल, खाने-पीने के पैकेट समेत कई सामान खाई में सीधे नीचे फेंक देते हैं, जिसे इकट्ठा करना काफी कठिनाई भरा या असंभव होता है । यह इस संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र के पर्यावरण के लिए एक गंभीर चेतावनी है। कचरे के बढ़ने के कारण भारी बारिश में हालात और बिगड़ जाते हैं। अभी रुद्रप्रयाग में ही लैंडस्लाइड होने की वजह से चारधाम यात्रा रोकनी पड़ी। बताया जा रहा है कि दोनों तरफ से करीब 4000 के आसपास तीर्थ यात्री फंसे हुए हैं। इस तरह की खबरों से जाहिर होता है प्रकृति की मार से इंसान बच नहीं सकता। फिर भी सबक नहीं लिया जा रहा है। और यह केवल पहाड़ों की बात नहीं है, मैदानी इलाकों में भी ध्वनि प्रदूषण से हालत बुरी है। अभी उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में एक स्कूल के बाहर गणेश विसर्जन के जुलूस के शोर से एक बारह साल की बच्ची की मौत की खबर आई है। कहा जा रहा है कि डीजे के शोर से बच्ची को हार्ट अटैक आया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस पूरे मामले का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।सुप्रीम कोर्ट ने ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए निर्देश दिए हैं, लेकिन धर्म के नाम पर उन निदेर्शों की अवहेलना हो रही है। स्पष्ट है कि जरुरत इस बात की है कि पहाड़ की संवेदनशीलता का ध्यान रखते हुए धार्मिक पर्यटन और कार्यक्रमों का नियमन किया जाए पहाड़ धर्म अध्यात्म संस्कृति सब की मयार्दा का पालन करना चाहिए तात्विक तौर पर यह सब परस्पर जुड़े हुए हैं और इसी को अंगीकार करने और समझने की प्रेरणा हमारे शास्त्रों और पुराणों में वर्णित है।

जब आत्मा देह बदल लेती है तो श्राद्ध किसका? एक विवेचन

पार्थसारथि थपलियाल

हिन्दू जीवन-दर्शन में मृत्यु अंत नहीं, बल्कि एक अवस्था का परिवर्तन मानी गई है। भगवदगीता में श्रीकृष्ण कहते हैं- वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि, तथा शरीराणि विहाय जीर्णा न्यन्यानि संयाति नवानि देही। अर्थात जैसे मनुष्य पुराने वस्त्र त्यागकर नए वस्त्र धारण करता है, वैसे ही देही पुराने शरीर को छोड़कर नया शरीर ग्रहण करता है। जब आत्मा एक शरीर छोड़कर दूसरे शरीर में चली जाती है, तब स्वाभाविक जिज्ञासा उत्पन्न होती है- यदि हमारा कोई पूर्वज पुनर्जन्म ले चुका है, तो हम श्राद्ध किसे अर्पित करते हैं? इस प्रश्न का उत्तर पाने के लिए सबसे पहले आत्मा और पितर के अंतर को समझना आवश्यक है। भारतीय दर्शन में आत्मा को नित्य, अविनाशी और देह से भिन्न माना गया है। मृत्यु शरीर की होती है, आत्मा की नहीं। पितृ शब्द एक व्यापक पारिवारिक और धार्मिक अवधारणा है, जिसके अंतर्गत हमारे दिवंगत पूर्वजों की स्मृति, उनकी परंपरा और हमारे ऊपर उनके उपकार का भाव सम्मिलित है। तैत्तिरीय उपनिषद् में ह्रदेवऋण, ऋषिऋण और पितृऋणह्व जैसी उत्तरदायित्व-बोधक परंपरा दिखाई देती है। मनुस्मृति और

याज्ञवल्क्यस्मृति में श्राद्ध, पितृयज्ञ, पात्रता और विधि का अधिक व्यवस्थित वर्णन मिलता है। गरुड़पुराण तथा विभिन्न धर्मशास्त्रीय निबंधों में मृत्यु के बाद की अवस्थाओं, प्रेतावस्था और श्राद्ध के संबंध पर विस्तार है। दूसरी ओर, उपनिषदों और भगवदगीता में आत्मा, कर्म और पुनर्जन्म पर अधिक दार्शनिक बल है।

यही कारण है कि श्राद्ध का उद्देश्य आत्मा को भोजन पहुँचाना मात्र नहीं है। 'श्राद्ध' शब्द ही 'श्रद्धा' से बना है। अर्थात श्रद्धा और कृतज्ञता से किया गया कर्म श्राद्ध है। हम अपने पूर्वजों के प्रति उस ऋण को स्वीकार करते हैं, जिसे भारतीय चिंतन ने पितृऋण कहा है। हमें शरीर, संस्कार, भाषा, परिवार, ज्ञान, परंपरा और जीवन की अनेक सुविधाएँ पूर्वजों से मिली हैं। श्राद्ध उनके प्रति इसी कृतज्ञता का धार्मिक रूप है। भारतीय शास्त्रों में मृत्यु के बाद की अवस्थाओं के संबंध में अनेक सूक्ष्म धारणाएँ मिलती हैं। 'प्रेत' की अवधारणा भी एक विशेष संक्रमण-अवस्था से संबंधित है, गरुड़पुराण और कुछ धर्मशास्त्रीय परंपराएँ मृत्यु के बाद प्रेतावस्था तथा सपिंडीकरण के माध्यम से पितृलोक में प्रतिष्ठा का वर्णन करती हैं, पर इन विवरणों को सभी हिंदू दार्शनिक परंपराएँ समान रूप से स्वीकार नहीं करतीं। भगवदगीता (2.22) देह-परिवर्तन का रूपक देती है और (8.6) अंतकालीन स्मरण तथा कर्म-संस्कारों के संबंध की चर्चा करती है। बृहदारण्यक और छांदोग्य उपनिषदों में कर्म के अनुसार विभिन्न गतियों तथा पुनर्जन्म की धारणाएँ मिलती हैं। वहीं कुछ उपनिषद् आत्मज्ञान को जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति का मार्ग बताते हैं। इसलिए हर मृत व्यक्ति तुरंत किसी नए शरीर में जन्म लेता हैह्व या ह्लहर मृत व्यक्ति लंबे समय तक पितृलोक में ही रहता है- दोनों को सभी ग्रंथों का निर्विवाद निष्कर्ष कहना उचित नहीं होगा।

तर्पण का शाब्दिक अर्थ है-

तृप्त करना, संतुष्ट करना। जल अर्पित करते समय मनुष्य अपने पितरों का स्मरण करता है और उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करता है। यह आवश्यक नहीं कि तर्पण का अर्थ यह समझा जाए कि जल भौतिक रूप से किसी अदृश्य व्यक्ति तक पहुँच रहा है। धार्मिक कर्म का महत्व उसके पीछे स्थित भाव, संकल्प और श्रद्धा में भी निहित है। यदि कोई पूर्वज पुनर्जन्म ले चुका हो, तब भी श्राद्ध की सार्थकता समाप्त नहीं होती। क्योंकि वंशानुगत उस देह का संस्कार सूक्ष्म स्मृति स्वरूप हमारे साथ है। अतः जिस तिथि को किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है अश्विनि मास के कृष्णपक्ष में (श्राद्ध पक्ष में) उसी तिथि को उस व्यक्ति का श्राद्ध किया जाता है। दार्शनिक या प्रतीकात्मक दृष्टि से यह उस संबंध का स्मरण है जो जैविक वंश, संस्कार और सामाजिक उत्तराधिकार के माध्यम से बना रहता है। जैसे हम किसी महान व्यक्ति की स्मृति में स्मारक बनाते हैं, उनके नाम से पुस्तकालय या छात्रवृत्ति स्थापित करते हैं अथवा उनकी जयंती मनाते हैं, वैसे ही श्राद्ध पारिवारिक स्तर पर पूर्वजों की स्मृति को जीवित रखने की सनातन व्यवस्था है। हमारा अस्तित्व अकेले हमारा बनाया हुआ नहीं है, उसमें अनेक पीढ़ियों का योगदान समाहित है। श्राद्ध अंधविश्वास नहीं, कृतज्ञता है, केवल मृतक की चिंता नहीं, बल्कि पूर्वजों से प्राप्त जीवन-मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प है।

श्राद्ध उस आत्मा को भोजन कराने का कर्म नहीं, जिसे हम उसकी वर्तमान देह में खोज रहे हैं, यह उस पितृपरंपरा के प्रति श्रद्धांजलि है, जिसके कारण हम आज अस्तित्व में हैं। हम अपने पूर्वजों को केवल स्मरण नहीं करते, उनके ऋण को स्वीकार करते हैं और उनके द्वारा प्राप्त जीवन-परंपरा को आगे ले जाने का संकल्प करते हैं।

बच्चों के हाथ में मोबाइल बढ़ा तो बचपन हुआ डिजिटल कैद

कांतिलाल मांडोत

तकनीक का विरोध समाधान नहीं है। स्मार्टफोन आधुनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और आने वाले समय में इसकी भूमिका और बढ़ेगी। जरूरत इस बात की है कि बच्चों को तकनीक का मालिक बनाया जाए, उसका गुलाम नहीं। मोबाइल बच्चे की चुप्पी खरीदने का साधन नहीं बल्कि ज्ञान और सीखने का माध्यम बने, इसके लिए परिवार को शुरूआत से ही स्पष्ट सीमाएं तय करनी होंगी।

अभिभावकों की जागरूकता से ही मोबाइल की लत पर लग सकता है अंकुश...

आज के समय में मोबाइल फोन जीवन की आवश्यकता बन चुका है। पढ़ाई, जानकारी, संवाद और मनोरंजन से लेकर अनेक जरूरी काम स्मार्टफोन के माध्यम से पूरे किए जा रहे हैं। लेकिन जब यही सुविधा बच्चों की आदत और फिर लत में बदलने लगे तो यह चिंता का विषय बन जाता है। देश में बच्चों और किशोरों के बीच स्मार्टफोन का इस्तेमाल जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसने अभिभावकों और समाज के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। खासकर 10 से 19 वर्ष की उम्र के बच्चे डिजिटल दुनिया में तेजी से प्रवेश कर रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2020 में 15 से 19 वर्ष के करीब 49 प्रतिशत बच्चे स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर रहे थे, जो 2023 तक बढ़कर 91 प्रतिशत से अधिक हो गया। यानी तीन वर्ष में उपयोग में लगभग 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

बच्चों में स्मार्टफोन की पहुंच केवल किशोरों तक सीमित नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार 8 से 18 वर्ष की उम्र के करीब 30 प्रतिशत बच्चों के पास अपना व्यक्तिगत फोन है, जबकि 62 प्रतिशत बच्चे माता-पिता के फोन का इस्तेमाल करते हैं। वर्ष 2026 की शुरूआत तक 10 से 14 वर्ष की उम्र के लगभग 83 प्रतिशत बच्चों की स्मार्टफोन तक पहुंच बताई गई है। यह आंकड़ा वैश्विक औसत से भी अधिक है। ऐसे में यह समझना जरूरी हो जाता है कि मोबाइल केवल बच्चों के हाथ में पहुंचने वाली तकनीक नहीं है, बल्कि उसका इस्तेमाल उनके व्यवहार, सोच, पढ़ाई, सामाजिक संबंध और सुरक्षा को भी प्रभावित कर सकता है।

बच्चों को मोबाइल देने की शुरूआत अक्सर बहुत सामान्य कारणों से होती है। बच्चा खाना नहीं खा रहा हो, जिद कर रहा हो, रो रहा हो या शरारत कर रहा हो तो उसे शांत करने के लिए मोबाइल हाथ में थमा दिया जाता है। धीरे-धीरे बच्चा मोबाइल को मनोरंजन का सबसे आसान साधन मानने लगता है। माता-पिता भी व्यस्तता के कारण कई बार इस आदत पर तत्काल ध्यान नहीं देते। बच्चे की जिद पूरी करना उस समय आसान समाधान दिखाई देता है, लेकिन यही सुविधा आगे चलकर आदत का रूप ले सकती है। जब बच्चा हर खाली समय मोबाइल पर बिताने लगे और मोबाइल न मिलने पर बेचैनी दिखाए तो अभिभावकों को

इसे गंभीर संकेत मानना चाहिए।

मोबाइल और इंटरनेट का सही इस्तेमाल बच्चों के लिए ज्ञान और सीखने का माध्यम बन सकता है। समस्या तब पैदा होती है जब स्क्रीन का उपयोग जरूरत से अधिक होने लगे। कई बच्चे प्रतिदिन सात से दस घंटे तक स्क्रीन के सामने समय बिताने लगे हैं। इससे पढ़ाई के लिए मिलने वाला समय प्रभावित होता है और खेलकूद, परिवार के साथ बातचीत तथा सामाजिक गतिविधियों के लिए समय कम हो जाता है। लगातार स्क्रीन पर रहने की आदत बच्चों को वास्तविक दुनिया से दूर कर सकती है। मोबाइल पर मिलने वाला लगातार मनोरंजन उन्हें सामान्य गतिविधियों में कम रुचि लेने के लिए भी प्रेरित कर सकता है।

बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा का पहलू इससे भी अधिक गंभीर है। इंटरनेट की दुनिया में अच्छी सामग्री के साथ ऐसी सामग्री भी मौजूद है जो बच्चों के लिए अनुपयुक्त और नुकसानदेह हो सकती है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार बच्चों के खिलाफ होने वाले 60 प्रतिशत से अधिक साइबर अपराध अश्लील सामग्री से जुड़े बताए गए हैं। यह स्थिति बताती है कि बच्चों को केवल स्मार्टफोन देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें इंटरनेट के सुरक्षित इस्तेमाल की जानकारी देना भी जरूरी है। अनजान लोगों से बातचीत, संदिग्ध संदेशों पर प्रतिक्रिया, निजी जानकारी साझा करना और अनुचित सामग्री के संपर्क में आना बच्चों को साइबर अपराधियों के निशाने पर ला सकता है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि अनेक बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा के साधनों की पूरी जानकारी नहीं है। एक सर्वे में केवल 37.1 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि वे सामग्री की शिकायत करने और सुरक्षा संबंधी उपकरणों का सही इस्तेमाल करना जानते हैं। वहीं पांच में से एक युवा को ऐसे सुरक्षा उपकरणों की जानकारी ही नहीं थी। ग्रामीण क्षेत्रों तथा 11 से 13 वर्ष की उम्र के बच्चों में जागरूकता का स्तर और कम पाया गया। इसका अर्थ साफ है कि इंटरनेट की पहुंच तेजी से बढ़ रही है, लेकिन उसके सुरक्षित इस्तेमाल की समझ उसी गति से नहीं बढ़ रही है।

ऐसी स्थिति में अभिभावकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। बच्चों को मोबाइल से पूरी तरह दूर रखना हमेशा व्यावहारिक नहीं हो सकता, क्योंकि शिक्षा और ज्ञान के लिए भी डिजिटल माध्यम जरूरी हो चुके हैं। इसलिए प्रतिबंध के बजाय संतुलित उपयोग की आदत विकसित करना अधिक जरूरी है। माता-पिता को बच्चों के लिए मोबाइल इस्तेमाल का निश्चित समय तय करना चाहिए। पढ़ाई, भोजन, परिवार के साथ समय और सोने से पहले मोबाइल से दूरी जैसी आदतों को धीरे-धीरे दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है।

बच्चों को मोबाइल देने के बजाय उनके साथ समय बिताना भी जरूरी है। बच्चा जब जिद करे या परेशान हो तो हर बार मोबाइल को समाधान बनाने के बजाय उससे बातचीत करनी चाहिए। खेल, किताबें, रचनात्मक गतिविधियां और परिवार के साथ सामूहिक समय बच्चों को मोबाइल के विकल्प दे सकते हैं। माता-पिता स्वयं मोबाइल का कितना इस्तेमाल करते हैं, इसका भी बच्चों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यदि घर में बड़े लोग हर समय फोन में व्यस्त रहेंगे तो बच्चों से मोबाइल से दूरी की अपेक्षा करना कठिन होगा।

सरकार और विद्यालयों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को साइबर सुरक्षा, निजी जानकारी की सुरक्षा, संदिग्ध सामग्री की शिकायत और ऑनलाइन व्यवहार के बारे में उम्र के अनुरूप जानकारी दी जानी चाहिए। केवल सोशल मीडिया पर उम्र संबंधी प्रतिबंध लगाने से समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। बच्चों, अभिभावकों, विद्यालयों और डिजिटल मंचों को मिलकर सुरक्षित वातावरण तैयार करना होगा। बच्चों को यह समझाना होगा कि इंटरनेट पर दिखाई देने वाली हर चीज सही या सुरक्षित नहीं होती।

तकनीक का विरोध समाधान नहीं है। स्मार्टफोन आधुनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और आने वाले समय में इसकी भूमिका और बढ़ेगी। जरूरत इस बात की है कि बच्चों को तकनीक का मालिक बनाया जाए, उसका गुलाम नहीं। मोबाइल बच्चे की चुप्पी खरीदने का साधन नहीं बल्कि ज्ञान और सीखने का माध्यम बने, इसके लिए परिवार को शुरूआत से ही स्पष्ट सीमाएं तय करनी होंगी। यदि अभिभावक समय रहते बच्चों की मोबाइल आदत पर ध्यान दें, उनके साथ संवाद बढ़ाएं और ऑनलाइन सुरक्षा की जानकारी दें तो डिजिटल दुनिया बच्चों के लिए खतरा बनने के बजाय अवसर का माध्यम बन सकती है। बच्चों का बचपन केवल स्क्रीन पर नहीं, बल्कि परिवार, खेल, किताब, मित्रता और वास्तविक जीवन के अनुभवों के बीच भी विकसित होना चाहिए।

पीजी कॉलेज छात्रसंघ चुनाव में मनीष नेगी बनें अध्यक्ष

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अध्यक्ष पद पर जीत हासिल करने वाले मनीष नेगी

जीत के बाद समर्थकों के साथ जश्न मनाते प्रत्याशी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में मंगलवार को छात्रसंघ चुनाव की प्रक्रिया मतगणना के बाद संपन्न हो गई। अध्यक्ष पद पर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) और वंदे मातरम संगठन समर्थित मनीष नेगी ने जीत दर्ज की, जबकि सचिव पद पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के मानस विजयी रहे। चुनाव परिणाम घोषित होते ही विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों ने जमकर जश्न मनाया।

महाविद्यालय में मंगलवार सुबह आठ बजे मतदान शुरू हुआ। पंजीकृत 2729 छात्र–छात्राओं में करीब एक हजार विद्यार्थियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दोपहर दो बजे मतदान संपन्न होने के बाद अपराह्न तीन बजे मतगणना शुरू हुई। शाम पांच बजे महाविद्यालय के प्राचार्य ने चुनाव परिणामों की घोषणा की। अध्यक्ष पद पर मनीष नेगी ने 448 मत हासिल कर जीत दर्ज की। उन्होंने एबीवीपी समर्थित अनिकेत डुगलचा को 19 मतों से पराजित किया। जय हो ग्रुप की स्वाती रियाल 106 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। उपाध्यक्ष पद पर एबीवीपी के क्षितिज अग्रवाल 432 मत प्राप्त कर विजयी हुए। उन्होंने एनएसयूआई और वंदे मातरम समर्थित प्रेरणा को 122 मतों से हराया। सचिव पद पर एबीवीपी के मानस को 444 मत मिले और उन्होंने जीत दर्ज की। आदित्य पटवाल 359 मतों के साथ दूसरे तथा शिवम 151 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। तीसरे प्रत्याशी नागेंद्र सिंह बिष्ट को 206 मत प्राप्त हुए। सह सचिव पद पर एबीवीपी की अंजलि ने 501 मत हासिल कर जीत दर्ज की। अंकित जदली को 244 और काजल को 167 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर भारतीय छात्र संगठन की मीनाक्षी निर्विरोध निर्वाचित हुईं। वहीं विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पद पर एनएसयूआई और वंदे मातरम समर्थित प्रेरणा 474 मतों के साथ विजयी रहीं। उन्होंने एबीवीपी के उज्ज्वल गौड़ को महज दो मतों के अंतर से हराया। परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों ने कॉलेज परिसर में उत्साह के साथ जश्न मनाया। समर्थकों ने विजयी प्रत्याशियों को फूल-मालाएं पहनाकर बधाई दी और जीत की खुशी में नारे लगाए।

एनआईटी और जम्मू आईआईटी के बीच हुआ एमओयू

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जम्मू के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को मजबूत करने के लिए समझौता हुआ है। दोनों संस्थानों के बीच संयुक्त डॉक्टोरल (पीएचडी) कार्यक्रम शुरू करने की दिशा में यह समझौता महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आईआईटी जम्मू में आयोजित कार्यक्रम में एनआईटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. करुणेश कुमार शुक्ला और आईआईटी जम्मू के निदेशक प्रो. एमएस गौड़ ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के डीन एवं एसोसिएट डीन भी मौजूद रहे। एमओयू का उद्देश्य विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देना, विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करना तथा दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों को मजबूत करना है। पात्र शोधार्थियों को दोनों संस्थानों के शैक्षणिक संसाधनों, अनुसंधान सुविधाओं और विशेषज्ञता का लाभ लेते हुए डॉक्टोरल शोध करने का अवसर मिलेगा।

चोरी की स्कूटी के साथ युवक गिरफ्तार

चोरी की स्कूटी के साथ पुलिस हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोतवाली पुलिस ने चोरी की स्कूटी बरामद करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि 28 सितंबर को नजीबाबाद रोड निवासी गजपाल सिंह चौहान ने पुलिस को तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि 25 सितंबर को उन्होंने अपनी स्कूटी घर के बाहर खड़ी की थी। कुछ देर बाद बाहर आने पर स्कूटी मौके से गायब मिली। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और स्कूटी की तलाश में विभिन्न स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान कौड़िया के समीप पुलिस टीम को एक युवक उक्त नंबर की स्कूटी चलाते हुए दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की। पूछताछ में युवक ने अपना नाम अभिषेक निवासी कौड़िया बताया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान अभिषेक ने स्कूटी चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही चोरी की स्कूटी बरामद कर ली।

मेडिकल कॉलेज निर्माण को लेकर 45वें दिन भी धरना जारी

उत्तरकाशी। मेडिकल कॉलेज निर्माण संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वाधान में 45वें दिन धरना, 29वें दिन क्रमिक अनशन के साथ 59वें सत्याग्रह भी जारी रहा। गीता सत्संग से जुड़े कुशाल सिंह नेगी और गुरु प्रसाद जुयाल मंगलवार को क्रमिक अनशन पर बैठे। बौराड़ी के गणेश चौक में धरने पर बैठे कमल सिंह महर, शिवराज सजवाण ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के निर्माण की मांग को लेकर लगातार धरना–प्रदर्शन और जन जागरण आंदोलन चल रहा है। उन्होंने कहा कि दो अक्तूबर को धरना स्थल पर महापंचायत होगी जिसमें आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। साथ ही बताया कि महापंचायत में पूरे जिलेभर से लोगों को बुलाया गया है। मामले में अगर सरकार शीघ्र ही कोई सकारात्मक पहल नहीं करती है, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। धरने पर बैठे लोगों ने नारेबाजी कर सरकार से तत्काल मेडिकल कॉलेज निर्माण की घोषणा करने की मांग की है। इस मौके पर जीतराम भट्ट, संदीप रावत, टीकम सिंह चौहान, वीरेंद्र रावत, चंदन सिंह रावत, प्रमोद पंवार, विजय सिंह नेगी, आदि मौजूद रहे ।

90 किलो गांजा बरामदगी मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गांजा तस्करी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को कोतवाली पुलिस ने मुरादाबाद से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। पुलिस टीम काफी समय से उसकी तलाश में जुटी थी।

अपर उपनिरीक्षक प्रवेश कुमार ने बताया कि 12 मार्च 2026 को लैंसडौन क्षेत्र में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने दो वाहनों से करीब 90 किलोग्राम गांजा बरामद किया था। मामले में पुलिस ने नशा सप्लाई से जुड़े लव कुमार, यशवंत सिंह नेगी, महिपाल सिंह, बिट्टू सैनी, राजेंद्र सिंह, जगत सिंह और स्वरूप नौटियाल को गिरफ्तार किया था। मामले की विवेचना के दौरान मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश निवासी आत्मप्रकाश की संलिप्तता भी सामने आई। इसके बाद से पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी, लेकिन आरोपी पुलिस से बचने के लिए लगातार स्थान बदल रहा था। पुलिस को आरोपी के मुरादाबाद में होने की जानकारी मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए सोमवार शाम उसे उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस आरोपी को कोटद्वार लेकर पहुंची और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू की। पुलिस के अनुसार, मामले में आरोपी की गिरफ्तारी से गांजा तस्करी से जुड़े नेटवर्क की जांच को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

चिन्यालीसौड़ की बेटी सानिया ने शंघाई में जीता सिल्वर

चिन्यालीसौड़। नगर पालिका चिन्यालीसौड़ के वार्ड नंबर–5 की बेटी सानिया जोशी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार उपलब्धि हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। चीन के शंघाई में आयोजित वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता के रिटेल सेल व मार्केटिंग क्षेत्र में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए सानिया ने सिल्वर मेडल हासिल किया। सानिया की शुरुआती पढ़ाई चिन्यालीसौड़ में ही हुई। इसके बाद उन्होंने फैशन डिजाइनिंग में डिग्री हासिल की। फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई के बाद रिटेल मार्केटिंग के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को निखारते हुए उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर जगह बनाई और अब शंघाई में भारत का प्रतिनिधित्व कर अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया। सानिया के पिता बद्री जोशी चिन्यालीसौड़ में व्यापारी हैं, जबकि माता रेखा जोशी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। स्थानीय लोगों के लिए सानिया की सफलता इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने चिन्यालीसौड़ जैसे छोटे शहर से निकलकर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत के लिए पदक हासिल किया है। उनकी उपलब्धि क्षेत्र की बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणा बनी है। सानिया की सफलता पर यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल, पालिकाध्यक्ष मनोज कोहली, पूर्व पालिकाध्यक्ष शूरवीर रांगड़, व्यापार मंडल अध्यक्ष कृष्णा राणा, अमित सकलानी आदि जनप्रतिनिधियों व परिचितों ने परिवार को बधाई दी है।

45 किमी का सफर तय हो रहा है सात घंटे में

बड़कोट। दो दिन मौसम खराब रहने के कारण स्थगित चारधाम यात्रा दोबारा शुरू होते ही यमुनोत्री हाईवे पर यातायात व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए चुनौती बन गई है। ओजरी डाबरकोट से फूलचट्टी तक कई स्थानों पर सड़क संकरी होने के कारण वन–वे व्यवस्था लागू है। वाहनों की बढ़ती संख्या के चलते जगह–जगह कतारें लग रही हैं। बड़कोट से जानकीचट्टी तक करीब 45 किलोमीटर का सफर तय करने में यात्रियों को छह से सात घंटे तक लग रहे हैं।

दो दिन यात्रा रुके रहने के बाद सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के वाहनों के पहुंचने से हाईवे पर यातायात का दबाव बढ़ गया। संकरे स्थानों पर वाहनों को रुक–रुककर आगे बढ़ना पड़ रहा है। वहीं, ओजरी डाबरकोट के आसपास दर्जनभर होटल–ढाबे होने से सीजन में यहां भारी चहल–पहल रहती है लेकिन सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था नहीं होने से श्रद्धालुओं को परेशानी उठानी पड़ रही है।

चार साल से मंदिर पुनर्निर्माण का इंतजार

पुरोला। मोरी विकासखंड के जखोल गांव में 22 गांवों के इष्ट आराध्य सोमेश्वर महाराज के प्राचीन मंदिर का चार साल बाद भी पुनर्निर्माण नहीं हो सका है। मंदिर को लेकर चल रहे न्यायालयी विवाद के चलते निर्माण पर रोक लगी हुई है। अब ग्रामीण महिलाओं ने मामले के जल्द समाधान की मांग को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी है। महिलाओं ने समाधान नहीं होने पर आगामी विधानसभा चुनाव न वोट न डालने की भी चेतावनी दी है।

पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य मीना रावत के नेतृत्व में जखोल गांव में महिलाओं की बैठक हुई। बैठक में कहा गया कि वर्ष 2023 में कुछ शरारती तत्वों की ओर से रातोंरात मंदिर को उखाड़ दिए जाने के बाद मामला न्यायालय पहुंचा था। विवाद के चलते मंदिर के पुनर्निर्माण पर रोक लगा दी गई। उस समय गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात किया गया था।

थलीसैंण महाविद्यालय में छात्रसंघ अध्यक्ष बनीं मानसी

छात्र संघ चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न, विजयी प्रत्याशियों ने ली शपथ

पीठासीन पदाधिकारी डॉ. बचन सिंह, मतदान अधिकारियों डॉ. अतुल सिंह, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, अंजू नेगी, आनंदमणि पोखरियाल एवं अनिल ध्यानी ने

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में छात्र संघ चुनाव शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. योगेंद्र चंद्र सिंह के मार्गदर्शन एवं चुनाव अधिकारी डॉ. विकास प्रताप सिंह के नेतृत्व में संपन्न कराई गई। चुनाव में कुल 274 मत पड़े। चुनाव के दौरान छात्र-छात्राओं ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा मतदान से लेकर मतगणना एवं परिणाम घोषणा तक सभी प्रक्रियाएं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई गईं।

अध्यक्ष पद पर मानसी ने 27 मतों के अंतर से, उपाध्यक्ष पद पर संजना ने 2 मतों के अंतर से, सचिव पद पर बॉबी ने 16 मतों के अंतर से, सहसचिव पद पर नीलम ने 12 मतों के अंतर से, कोषाध्यक्ष पद पर रिंकी ने 20 मतों के अंतर से तथा विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पद पर वसुदेव ने 21 मतों के अंतर से विजय प्राप्त की। चुनाव प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने में कर्मचारियों ने भी चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। मीडिया प्रभारी डॉ. हरिओम रावत द्वारा मीडिया समन्वय का दायित्व संभाला गया। चुनाव को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में पुलिस एवं प्रशासन का भी पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। पुलिस एवं प्रशासन द्वारा आवश्यक सुरक्षा एवं व्यवस्थागत सहयोग प्रदान किया गया, जिससे संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो सकी। चुनाव परिणाम घोषित होने के पश्चात शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो. योगेंद्र चंद्र सिंह के नेतृत्व में नवनिर्वाचित छात्र संघ पदाधिकारियों ने पद एवं दायित्वों के निर्वहन की शपथ ग्रहण की। प्राचार्य ने सभी विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देते हुए छात्रहित, अनुशासन एवं महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ बनाने में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया।

जल संसाधनों एवं स्प्रिंगशेड प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : भौगोलिक सोसायटी ऑफ उत्तराखंड के तत्वावधान में मीठे जल संसाधन एवं स्प्रिंगशेड प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन बुधवार को भूगोल विभाग, स्कूल ऑफ अर्थ साइंसेज, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), श्रीनगर गढ़वाल के आतिथ्य में किया जाएगा। संगोष्ठी के संयोजक प्रो. एम. एस. पंवार, भूगोल विभाग हैं।

हिमालय क्षेत्र में जलस्रोतों, विशेषकर प्राकृतिक झरनों का स्थानीय समुदायों के जीवन, आजीविका, कृषि, जैव विविधता तथा पारिस्थितिक संतुलन में महत्वपूर्ण योगदान है। जलवायु परिवर्तन, अनियोजित विकास, भूमि उपयोग में परिवर्तन, वनों पर बढ़ते दबाव तथा जलस्रोतों के क्षरण के कारण हिमालयी क्षेत्रों में जल उपलब्धता एवं झरनों के पुनर्जीवन की चुनौती लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। इस संदर्भ में स्प्रिंगशेड प्रबंधन जलस्रोतों के संरक्षण, पुनर्भरण एवं दीर्घकालिक जल सुरक्षा के लिए एक समग्र एवं समुदाय-आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।

गदेरे में गिरी महिला, मौत

कीर्तिनगर : बड़ियार क्षेत्र में गदेरे में गिरने से एक महिला की मौत हो गई। कोतवाली कीर्तिनगर से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सभा चिलेड़ी के झणगुली गांव निवासी सरोजनी देवी (63) पत्नी देवराज सिंह पुंडीर अपने घर के समीप ही खेतों में गई थीं। बताया जा रहा है खेतों से लंगूर बंदरों को भगाने के दौरान वह गदेरे में गिर गईं, जिससे उनकी मौत हो गई। कोतवाली के एसएसआई कुंवर राम आर्य ने बताया कि गदेरे में महिला का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। चौकी चौरास पुलिस टीम एसडीआरएफ के साथ मौके पर पहुंची और शव गदेरे से बाहर निकाला। शव परिजनों को सौंप दिया गया। (एजेंसी)

भक्त दर्शन महाविद्यालय में छात्रसंघ अध्यक्ष बनीं कुमकुम रावत

अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचन, अन्य तीन पद रहे रिक्त

भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल में नव निर्वाचित छात्र संघ पदाधिकारी।

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल में छात्रसंघ चुनाव इस बार बिना मतदान के ही संपन्न हो गया। अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष पद पर एक-एक नामांकन होने के कारण तीनों पदों पर प्रत्याशियों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। मंगलवार को महाविद्यालय सभागार में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्राचार्य प्रो. एलआर राजवंशी ने शपथ दिलाई।

नामांकन पत्रों की जांच के बाद अध्यक्ष पद पर कुमकुम रावत, सचिव पद पर मो. अरमान, कोषाध्यक्ष पद पर अमिता का निर्विरोध निर्वाचित हुए है। वहीं उपाध्यक्ष, सह सचिव और विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पद पर किसी भी छात्र-छात्रा द्वारा नामांकन नहीं किए जाने के कारण ये पद रिक्त रह गए। शपथ ग्रहण समारोह महाविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान प्राचार्य प्रो. एलआर राजवंशी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्रसंघ महाविद्यालय में विद्यार्थियों की समस्याओं और उनकी आवश्यकताओं को उचित मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने निर्वाचित पदाधिकारियों से महाविद्यालय की शैक्षणिक गरिमा एवं अनुशासन को बनाए रखते हुए विद्यार्थियों के हित में कार्य करने का आह्वान किया। छात्रसंघ प्रभारी डॉ. देवेंद्र चौहान ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया एवं नामांकन पत्रों की जांच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरी की गई थी। तीन पदों पर एक-एक नामांकन होने के कारण निर्विरोध निर्वाचन हुआ, जबकि तीन पदों पर कोई नामांकन प्राप्त नहीं हुआ। महाविद्यालय में वर्तमान में करीब 250 मतदाता हैं। मतदान की आवश्यकता नहीं होने के कारण इस बार छात्रसंघ चुनाव प्रक्रिया निर्विरोध निर्वाचन के माध्यम से पूरी हुई। इस मौके पर डॉ. अजय रावत, डॉ. अर्चना नौटियाल, डॉ. कश्यप, डॉ. दीपक दुर्गापाल सहित वरिष्ठ प्रशासनिक राजीव रजवार, सतीश चंद्र पोखरियाल आदि मौजूद थे।

पंचायत प्रतिनिधियों को दिया सेन्सिटाइजेशन प्रशिक्षण

प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक राजकुमार पोरी।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : एनटीईपी के अंतर्गत विकासखंड कल्जीखाल सभागार में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत पंचायत प्रतिनिधियों को एक दिवसीय सेन्सिटाइजेशन प्रशिक्षण दिया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी सीपी जोशी ने जनप्रतिनिधियों से स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्राम पंचायतों में वॉल पेंटिंग के माध्यम से टीबी मुक्त भारत अभियान के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य मंत्रालय विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोग से भारत टीबी मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम निरंतर चलाया जा रहा है। जिसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी सीपी जोशी ने टीबी के लक्षण और उसके नियंत्रण को लेकर उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों से स्वास्थ्य मिशन के तहत जानकारी देते हुए बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से ही भारत टीबी मुक्त हो पाएगा। उन्होंने कहा कि टीबी के लक्षण पाए जाने पर इसका उपचार डॉट्स के माध्यम से बहुत आसान है। इसमें ग्रामीण स्तर पर आशा कार्यकर्ताओं की निगरानी में टीबी की दवाएं नियमित रूप से मरीज को खिलाई जाती हैं। इसका बाकायदा डॉट्स के तहत रोस्टर चार्ट जारी किया जाता है। यदि मरीज शुरुआती लक्षणों पर नियमित दवाइयां और खान-पान का ध्यान दें तो टीबी मरीज स्वस्थ हो सकता है। यदि नियमित दवाइयां नहीं ली गईं और उपचार में लापरवाही बरती गई तो मरीज को एमडीआर टीबी हो सकती है, जिसका लंबा उपचार होता है और महंगी दवाइयों का सेवन से मरीज ठीक होता है। हालांकि एमडीआर टीबी का उपचार भी निःशुल्क होता है, लेकिन सरकार पर इसका आर्थिक प्रभाव पड़ता है। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख गीता देवी, खंड विकास अधिकारी चंद्र प्रकाश बलूनी, पूर्व ज्येष्ठ उप प्रमुख महेंद्र सिंह, पूर्व कनिष्ठ प्रमुख अर्जुन सिंह पटवाल, सामाजिक कार्यकर्ता एवं पीएलवी जगमोहन डांगी, डॉ. शुभम सीएचसी घंडियाल, अनूप कंडारी ग्राम प्रधान धारकोट, बबीता देवी ग्राम प्रधान डांगू, सामाजिक कार्यकर्ता जसवीर रावत, यूबीपीएम शरद रौतेला, एसटीएस दीपक बिष्ट, बीएलए सुमन कुमार, अमित बलूनी, नीरज बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

सूचना

मैं, सिमरन (पुत्री GS 184802F MSW.PNR सतेंद्र सिंह), निवासी,-ग्राम गवाणा वल्ला, पोस्ट ऑफिस- खड़कोली, तहसील-सतपुली, जिला-पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड (पिन-246172), ने अपना नाम सिमरन से बदलकर सिमरन रावत कर लिया है। इसके लिए मैंने जुडिशियल क्लास मजिस्ट्रेट, सतपुली, पौड़ी गढ़वाल के समक्ष शपथ-पत्र संख्या IN-UK89769249949081Y (दिनांक 12/8/2026) प्रस्तुत किया है।

सूचना

मैं, सुशुमलता, पत्नी (No. GS184802F,MSW PNR) सतेंद्र सिंह, निवासी ग्राम गवाणा वल्ला, पोस्ट ऑफिस खड़कोली तहसील सतपुली, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड, पिन-246172, ने अपना नाम सुशुमलता से बदलकर सुशुमलता देवी कर लिया है। इसके लिए मैंने जुडिशियल फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट, सतपुली, पौड़ी गढ़वाल के समक्ष शपथ-पत्र संख्या IN-UK6929501 5599390 (दिनांक 4/6/2026) प्रस्तुत किया है।

विभिन्न राज्यों की संस्कृति, नवाचार और बेहतर कार्य प्रणालियों को जानें उत्तराखण्ड के युवा : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में हरियाणा भ्रमण पर जा रहे उत्तराखण्ड के युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के अंतरराज्यीय भ्रमण युवाओं को देश के विभिन्न राज्यों की संस्कृति, जीवनशैली, विकास कार्यों और नवाचारी पहलों को निकट से समझने का अवसर प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड के युवा विभिन्न राज्यों में जाकर वहां की संस्कृति, स्थानीय विशेषताओं, विकास से जुड़ी पहलों और सरकारों द्वारा अपनाई जा रही अच्छी कार्यप्रणालियों को जानें तथा उपयोगी अनुभवों को उत्तराखण्ड के परिप्रेक्ष्य में भी साझा करें। इसी प्रकार अन्य राज्यों के युवाओं को भी उत्तराखण्ड आने और यहां की संस्कृति, पर्यटन, स्थानीय उत्पादों तथा राज्य में संचालित विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी पहलों को जानने के अवसर दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने हरियाणा भ्रमण पर जा रहे युवाओं से कहा कि वे वहां की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली इतिहास, खान-पान, खेल परंपरा, कृषि और स्थानीय जीवनशैली को करीब से देखें। स्थानीय युवाओं, खिलाड़ियों, किसानों और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे लोगों से संवाद कर उनके अनुभवों को जानें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड के युवा राज्य के प्रतिनिधि के रूप में अन्य प्रदेशों में जाते हैं। ऐसे में वे देवभूमि की समृद्ध संस्कृति, लोकपर्वों, स्थानीय खान-पान, पर्यटन स्थलों, होमस्टे, स्थानीय उत्पादों, मिलेट्स और हस्तशिल्प के बारे में भी लोगों को जानकारी दें। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में चारधाम के साथ ही आदि कैलाश, जागेश्वर, कैंची धाम, शीतकालीन पर्यटन, साहसिक पर्यटन तथा अनेक ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जिनकी जानकारी देश के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचनी चाहिए।

ओएनजीसी ने नगर पालिका को दिए स्वच्छता उपकरण

गोपेश्वर। ओएनजीसी ने सीएसआर फंड के तहत नगर पालिका गोपेश्वर को स्वच्छता उपकरण उपलब्ध कराए हैं। नगर पालिका सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उपकरण पालिकाध्यक्ष संदीप सिंह रावत को सौंपे गए।

ओएनजीसी)ने शिवालिक एजुकेशन सोशल वेल्फेयर एंड ह्यूमन रिसोर्स सोसायटी के माध्यम से पालिका को दो तीन–तीन हजार लीटर क्षमता के पानी के टैंक, पांच फागिंग मशीन, 25 कूड़ा उठान हाथ ठेलियां और अन्य सफाई उपकरण दिए हैं। पूर्व ओएनजीसीयन एल. मोहन लखेड़ा ने बताया कि ओएनजीसी सीएसआर फंड के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और स्वच्छता जैसे सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सहयोग कर रहा है। कार्यक्रम में ओएनजीसी के मुख्य महाप्रबंधक/एचसीए नीरज कुमार शर्मा, महाप्रबंधक पवन कुमार सैनी और सीएसआर प्रभारी विशाल शर्मा ऑनलाइन जुड़े। इस दौरान पालिकाध्यक्ष संदीप रावत, सोसायटी के अध्यक्ष उत्तम रावत, प्रोजेक्ट मैनेजर अंकुर बिष्ट, सचिव दयाल सिंह, भेषज संघ अध्यक्ष सतेंद्र असवाल, ईओ अनिल पंत और पूर्व प्रमुख नंदन सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

गांधी जयंती पर चमोली में होंगे विभिन्न खेल आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर जिला खेल कार्यालय, चमोली द्वारा 01 एवं 02 अक्टूबर 2026 को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से जनपद के युवा खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा और क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। जिला खेल विभाग द्वारा 01 अक्टूबर 2026 को जनपदीय क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रातः 08:30 बजे स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर से होगा। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के बालक-बालिकाएं निर्धारित आयु वर्गों में प्रतिभाग करेंगे। क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर से पीजी कॉलेज, जीआईसी गोपेश्वर-घिघराण मोटर मार्ग पर निर्धारित स्थलों तक तथा वहां से वापस स्पोर्ट्स स्टेडियम तक किया जाएगा। बालक वर्ग में अंडर-12 के लिए 02 किमी., अंडर-14 के लिए 03 किमी., अंडर-17 के लिए 05 किमी. तथा ओपन वर्ग के लिए 07 किमी. दौड़ निर्धारित की गई है। वहीं बालिका वर्ग में अंडर-12 के लिए 02 किमी., अंडर-16 के लिए 03 किमी. तथा ओपन वर्ग के लिए 05 किमी. दौड़ होगी। प्रत्येक आयु वर्ग में प्रथम से पंचम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त दौड़ पूरी करने वाले प्रतिभागियों में से प्रत्येक आयु वर्ग के दो खिलाड़ियों का लॉटरी के माध्यम से चयन कर उन्हें भी पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों की आयु का निर्धारण 31 जुलाई 2026 को आधार मानकर किया जाएगा। खिलाड़ियों का पंजीकरण 01 अक्टूबर को प्रातः 08:00 बजे से 09:30 बजे तक किया जाएगा। गांधी जयंती के अवसर पर स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर में बालक अंडर-17 फुटबॉल एवं बालक ओपन वर्ग बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। जिला क्रीड़ाधिकारी मोहित सिंह ने बताया कि अंडर-17 फुटबॉल प्रतियोगिता 01 अक्टूबर को अपराह्न 02:30 बजे से 02 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होगी। प्रत्येक टीम में 11 खिलाड़ी तथा 3 अतिरिक्त खिलाड़ी शामिल होंगे। वहीं बालक ओपन वर्ग की बास्केटबॉल प्रतियोगिता भी 01 अक्टूबर को अपराह्न 02:30 बजे से 02 अक्टूबर तक स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर में आयोजित की जाएगी।

गोपेश्वर पीजी कॉलेज में एनएसयूआई की बंपर जीत

गोपेश्वर। छात्रसंघ चुनाव में चमोली जिले के सबसे बड़े राजकीय महाविद्यालय गोपेश्वर में एनएसयूआई ने बंपर जीत हासिल की है। एनएसयूआई ने सभी पदों पर एबीवीपी के प्रत्याशियों पर भारी मतों से जीत दर्ज की। वहीं ज्योतिर्मठ पीजी कॉलेज में एबीवीपी, पोखरी में आर्यन और नंदानगर में एनएसयूआई के प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की।

गोपेश्वर में कुल 2285 मतों में से 1590 वोट पड़े। मतगणना के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. अनुराग शर्मा ने चुनाव परिणाम घोषित किया। अध्यक्ष पद पर एनएसयूआई के किशन सिंह को 1114 वोट मिले जबकि एबीवीपी के कपिल नेगी को 459 मत ही मिले। किशन ने 655 मतों से जीत दर्ज की। उपाध्यक्ष पद पर एनएसयूआई के आदित्य नेगी ने जीत दर्ज करते हुए 978 मत हासिल किए जबकि एबीवीपी के सौरभ पंवार को मात्र 512 वोट मिले। सचिव पद पर एनएसयूआई के सोहन लाल ने 936 मतों के साथ जीत दर्ज की। एबीवीपी के पवन कुमार को 615 मत मिले। सह सचिव पद पर एनएसयूआई की तनिशा ने 814 हासिल कर जीत दर्ज की। एबीवीपी की दिव्या को 663, कोषाध्यक्ष पद पर एनएसयूआई की अपेक्षा ने 835 मत हासिल किए जबकि एबीवीपी की प्रियंका ने 396 मत हासिल किए।

पोखरी में आर्यन ने सभी पद जीते

पोखरी। पीजी कॉलेज पोखरी में 381 मतदाताओं में से 319 ने वोट डाले। अध्यक्ष पद पर आर्यन ग्रुप के राहुल सिंह 38 वोटों से जीते। जबकि एबीवीपी के शिवम पंत दूसरे नंबर पर रहे। उपाध्यक्ष पद पर आर्यन की दिव्या जीतीं। विवि प्रतिनिधि पर आर्यन के प्रियांशु नेगी ने एबीवीपी के अखिल सिंह को हराया। सचिव पद पर आर्यन ग्रुप के सूरज सिंह ने एबीवीपी की कोमल को हराया। कोषाध्यक्ष पद पर आर्यन की प्रियांशी ने एबीवीपी की महक को पराजित किया। मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. योगेश भट्ट ने परिणामों की घोषणा की।

गैरसैंण पॉलीटेक्निक में स्टाफ की कमी

गैरसैंण। राजकीय पॉलीटेक्निक में स्टाफ की कमी के कारण इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर साइंस ट्रेड में पठन–पाठन प्रभावित हो रहा है। वर्तमान में कुल 51 छात्र इन दोनों ट्रेड में अध्ययनरत हैं। प्रधानाचार्य नीरज कुमार ने बताया कि कंप्यूटर साइंस में कोई व्याख्याता (लेक्चरर) या स्टाफ नहीं है। इलेक्ट्रिकल में 31 छात्र और कंप्यूटर साइंस में 20 छात्र पढ़ रहे हैं। अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने विधायक अनिल नौटियाल के माध्यम से तकनीकी शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत को ज्ञापन भेजा और कंप्यूटर साइंस में तुरंत पद स्वीकृत कर व्याख्याता (लेक्चरर) की नियुक्ति की मांग की। कहा कि कॉलेज में कुल 27 पद सृजित हैं जिनमें से 22 पर नियुक्तियां हैं। विभागाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि वर्ष 2020 से अब तक कॉलेज के 76 प्रशिक्षितों का विभिन्न कंपनियों में प्लेसमेंट हुआ है।

स्वास्थ्य भवन में लगी भीषण आग

उत्तरकाशी। मोरी प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आराकोट के पुराने भवन में मंगलवार देर रात भीषण आग लगने से पूरा भवन जलकर राख हो गया। आग की चपेट में आने से वर्षों से भवन में रह रही सेवानिवृत्त एएनएम पार्वती जैन की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार देर रात पुराने स्वास्थ्य केंद्र भवन में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे भवन को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मोरी, त्यूणी तथा पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश के रोहडू से अग्निशमन वाहनों को मौके पर बुलाया।

तीनों स्थानों से पहुंची अग्निशमन टीमों तथा पुलिस प्रशासन ने कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक भवन पूरी तरह जल चुका था। आग की चपेट में आने से भवन में अकेले रह रही सेवानिवृत्त एएनएम पार्वती जैन की मौके पर ही

मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार पार्वती जैन वर्षों पूर्व स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत्त होने के बाद से इसी पुराने भवन में रह रही थीं। सामाजिक कार्यकर्ता मनमोहन सिंह चौहान ने बताया कि पार्वती जैन मूल रूप से देहरादून के आराघर क्षेत्र की रहने वाली थीं। उनके पास समय–समय पर उनकी एक मुंहबोली बेटी मिलने आती थी।

एक नजर

राजस्व वसूली में तेजी लाएं और पुराने वादों का जल्द निस्तारण करें : डीएम

नई टिहरी। कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व संग्रहण एवं अनुश्रवण समिति की मासिक बैठक की गई। डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राजस्व प्राप्ति, वसूली, प्रवर्तन कार्यों, लंबित राजस्व वादों के निस्तारण, खाद्यान्न व्यवस्था और वितरण की समीक्षा की गई। विभागीय अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए राजस्व प्राप्ति बढ़ाने और लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए।डीएम ने राजस्व विभाग को तीन वर्ष से अधिक पुराने वादों की नियमित सुनवाई करते हुए शीघ्र निस्तारण करने और लंबित वादों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलवार देयकों की वसूली में तेजी लाने, अमीनों के साथ नियमित समीक्षा करने और लक्ष्य से कम वसूली वाले अमीनों की प्रगति में सुधार लाने को कहा। बताया गया कि परिवहन विभाग ने बीते अगस्त माह तक 535.01 लाख का राजस्व प्राप्त किया। 4,550 वाहनों के चालान किए गए जबकि 227 वाहन बंद किए गए। इससे 77.03 लाख रुपये प्रशमन शुल्क प्राप्त हुआ। डीएम ने परिवहन विभाग को नियमित वाहन चेकिंग जारी रखने के निर्देश दिए। आबकारी विभाग को अगस्त 2026 तक 68.25 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हुआ।

रुद्रप्रयाग जनपद में 1710 अभ्यर्थियों ने दी यूटीईटी परीक्षा

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर की ओर से आयोजित अध्यापक पात्रता परीक्षा प्रथम एवं द्वितीय मंगलवार को जिले के आठ परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा के लिए 1873 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें 1710 ने परीक्षा दी और 163 अनुपस्थित रहे।यूटीईटी प्रथम के लिए 580 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें 530 ने परीक्षा दी। वहीं यूटीईटी द्वितीय में 1293 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 1180 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। मुख्य शिक्षा अधिकारी सोनी महरा ने बताया कि जिले में राबाइंका रुद्रप्रयाग और राबाइंका अगस्त्यमुनि को नोडल केंद्र बनाया गया था। इसके अलावा राइंका रतूड़ा, अटल उत्कृष्ट राइंका रुद्रप्रयाग, अटल उत्कृष्ट राइंका अगस्त्यमुनि, चिल्ड्रन एकेडमी इंटर कॉलेज अगस्त्यमुनि, राइंका चंद्रापुरी और राइंका भीरी में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशासन की ओर से भी सभी केंद्रों पर आवश्यक पुलिस बल तैनात किया गया था।

आंगनबाड़ी केंद्र बष्टी में दो महिलाओं की गोदभराई

रुद्रप्रयाग। नौवें राष्ट्रीय पोषण माह और सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्र बष्टी में आंगन का मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दो गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की गई। वहीं तीन लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट और 15 किशोरियों को डायरी दी। बाल विकास परियोजना अधिकारी अगस्त्यमुनि शैली प्रजापति की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार, नियमित प्रसव पूर्व जांच और संस्थागत प्रसव के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में सीमांत क्षेत्र अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष चंडी प्रसाद भट्ट, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुमन जमलोकी, ग्राम प्रधान आकांक्षा भट्ट आदि मौजूद रहीं।

जखोली : छात्रसंघ के सभी पदों पर हुआ निर्विरोध निर्वाचन

रुद्रप्रयाग। राजकीय महाविद्यालय जखोली में मंगलवार को हुए छात्रसंघ चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। यहां एनएसयूआई के अध्यक्ष समेत सभी छह पदों पर प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए। प्रभारी प्राचार्य डॉ. कपिल ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।अध्यक्ष पद पर सागर कुमार, उपाध्यक्ष आंचल, सचिव मानसी, सहसचिव समीक्षा, कोषाध्यक्ष शिवानी और विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पद पर कल्पना निर्विरोध निर्वाचित हुईं।

गांव में बंदर ने बुजुर्ग पर किया हमला

नारायणबगड़। ब्लॉक के पैठाणी गांव में एक बंदर ने बुजुर्ग किशनदत्त देवराड़ी (75) पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। उनका पीएचसी में उपचार किया गया।

पूर्व प्रधान मृत्युंजय परिहार ने बताया कि किशनदत्त देवराड़ी छत पर काम कर रहे थे तभी बंदर ने उन पर हमला कर सिर जख्मी कर दिया। परिजनों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां उनके सिर पर पांच टांके लगाए गए। फार्मेसी अधिकारी टीडी भट्ट के अनुसार, बुजुर्ग की बीपी बढ़ने के कारण उन्हें ड्रिप चढ़ाई गई। सूचना पर वनकर्मी भी अस्पताल पहुंचे और मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने वनविभाग से गांव में पिंजरा लगाकर बंदरों को पकड़ने की मांग की। उनका कहना है कि इससे पहले भी मृत्युंजय परिहार और सौंणी देवी पर बंदर हमला कर चुके हैं।

30 से अधिक बंदर पकड़े

कर्णप्रयाग। नगर पालिका क्षेत्र में बंदर पकड़ने का अभियान जारी है। मंगलवार को टीम ने सुभाषनगर क्षेत्र में पिंजरा लगााया। यहां टीम ने 10 से अधिक बंदरों को पकड़ा। इससे पहले टीम अपर बाजार, आईटीआई आदि क्षेत्रों में 20 से अधिक बंदर पकड़ चुकी है। ईओ नरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि एक माह तक लगातार बंदर पकड़ने का अभियान जारी रहेगा।

विधि में यूजी, पीजी करने के बाद हैं रोजगार के अवसर

चंबा (टिहरी) एसआरटी परिसर बादशाहीथौल में विधि विभाग की पहल पर मंगलवार को विधि स्नातक प्रथम वर्ष, विधि स्नातकोत्तर और शोधार्थियों का दीक्षा आरंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधि संकाय की डीन प्रो. ममता राणा ने कहा कि विधि में स्नातक या स्नातकोत्तर करने के बाद विद्यार्थियों के लिए रोजगार के कई अवसर उपलब्ध हैं। पुरुष छात्रावास के अधीक्षक डॉ. हेमराज और महिला छात्रावास की अधीक्षक डॉ. सुमनलता चौधरी ने छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं, अनुशासन और व्यवस्थाओं की जानकारी दी। पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. हंसराज बिष्ट ने पाठ्य पुस्तकों, शोध सामग्री, वाचनालय, संदर्भ सामग्री, अनुवाद और ई–पुस्तकों की सुविधाओं की जानकारी दी। डॉ. विशाल गुलरिया, डॉ. हिमानी बिष्ट ने नई शिक्षा नीति, पाठ्यक्रम, विषय चयन, परीक्षा की तैयारी और अध्ययन सामग्री के बारे में बताया। इस मौके पर डॉ. एसके चतुर्वेदी, डॉ. सुमनलता चौधरी आदि मौजूद रहे।

टिहरी जिले में सड़क हादसे 41 फीसदी बढ़े

नई टिहरी। टिहरी जिले में सड़क हादसों का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। जनवरी से अगस्त 2025 तक जिले में 43 सड़क दुर्घटनाएं हुई थी जबकि इसी अवधि में 2026 में हादसों की संख्या बढ़कर 61 पहुंच गई। एक साल में दुर्घटनाओं में करीब 41 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

मंगलवार को जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में हादसों के कारणों और रोकथाम के उपायों की समीक्षा की गई। बैठक में एसएसपी श्वेता चौबे समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जनवरी से अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2026 में जून और अप्रैल में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं हुईं। हादसों के मुख्य कारण अंधे मोड़, वाहन चलाने में लापरवाही और चालक का ध्यान भटकना सामने आया। डीएम ने लोनिवि, राष्ट्रीय राजमार्ग और पुलिस अधिकारियों को जिले के सभी अंधे मोड़ों को चिह्नित कर उनका सर्वे करने और आवश्यक सुधारात्मक उपाय करने के निर्देश दिए।देवप्रयाग क्षेत्र में अधिक सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए डीएम ने वहां एएनपीआर कैमरों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। ढलान वाले मार्गों पर तेज गति से वाहन चलाने वालों के खिलाफ चालान की कार्रवाई करने को भी कहा। कार्यदायी संस्था को सड़क किनारे झाड़ियों की कटाई का काम अगले 15 दिनों के अंतर्गत पूरा करने को कहा।

पूर्व पीएसी जवान के खाते से उड़ाई रकम

हल्द्वानी। लालकुआं निवासी सेवानिवृत्त पीएसी जवान के बैंक खाते से साइबर ठगों ने पेंशन के 47 हजार रुपये निकाल लिए। ठगी पेंशन कार्ड बनवाने का झांसा देकर की गई। सोमवार को पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है।

दर्ज मामले में पीड़ित ने बताया कि कुछ दिन पहले उनके मोबाइल नंबर पर अज्ञात व्यक्ति की कॉल आई थी। आरोपी ने खुद को उन्हीं के विभाग का कर्मचारी बताया और पेंशन कार्ड बनाने की बात कही। इस बहाने उनसे खाता संबंधी पूरी जानकारी हासिल कर ली। रविवार को वह पेंशन निकालने बैंक पहुंचे तो उन्हें साइबर ठगी का पता चला। इसके बाद तुरंत उन्होंने 1930 पर कॉल करके शिकायत दर्ज कराई। सोमवार को पीड़ित ने एसपी सिटी से मिलकर मामले में कार्रवाई की मांग भी रखी। एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि साइबर सेल की टीम जांच कर रही है। जिस बैंक खाते में रकम ट्रांसफर हुई है, उन्हें फ्रीज कराया जा रहा है।

चीरबासा में पैदल मार्ग बहाल, दस हजार तीर्थयात्री केदारनाथ रवाना

फाटा। गौरीकुंड–केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा के पास भूस्खलन से बाधित हुए मार्ग को मंगलवार को खोल दिया गया। ऐसे में दो–तीन दिनों से सोनप्रयाग सहित अन्य पड़ावों पर रोके गए करीब 10 हजार तीर्थयात्रियों को केदारनाथ धाम की ओर रवाना किया गया।

चीरबासा क्षेत्र में भूस्खलन के कारण पैदल मार्ग बाधित हो गया था। संवेदनशील स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने दो दिनों के लिए यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि केदारनाथ से गौरीकुंड की ओर आने वाले यात्रियों को प्रशासन और पुलिस के जवानों की निगरानी में कुछ अंतराल के बाद संवेदनशील स्थल पार कराया जा रहा था। मंगलवार को लोनिवि के श्रमिकों ने मार्ग पर जमा मलबे और बोल्डरों को हटाकर पैदल मार्ग को खोल

दिया। वहीं लोनिवि के अधिशासी अभियंता सुनील सिंह रावत ने बताया कि चीरबासा में लगातार चट्टान और मलबा गिरने का खतरा बना हुआ है। श्रमिक जोखिम उठाकर बार–बार मार्ग खोल रहे हैं और ढीले बोल्डरों को सुरक्षात्मक तरीके से नीचे गिराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मार्ग पर जमा मलबा और बोल्डर हटा दिया गया है। अब आवाजाही सुचारू हो गई है। हालांकि लगातार बारिश के कारण यह क्षेत्र अभी संवेदनशील बना हुआ है। विभाग की टीम मार्ग को और सुरक्षित बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

काली पहाड़ी ने रोका रास्ता, सड़क पर आवाजाही बंद

गरमपानी (नैनीताल)। बेतालघाट ब्लॉक के शहीद बलवंत सिंह मोटर मार्ग पर काली पहाड़ी के पास भारी मात्रा में बोल्डर और मलबा आने से सोमवार को आवाजाही बंद हो गई। लोक निर्माण विभाग ने सड़क खोलने के लिए जेसीबी मशीन लगाई है।

पहाड़ी से लगातार मलबा गिरने के चलते सड़क खोलने में परेशानी आ रही है। लोनिवि के अधिशासी अभियंता हीरा सिंह बिष्ट ने बताया कि मलबा हटाने काम किया जा रहा है। पहाड़ी से लगातार मलबा गिरने से सड़क खोलने में परेशानी आ रही है। वहीं भवाली–अल्मोड़ा एनएच पर रामगाड़, दोपाखी, झूलापुल गरमपानी, भौर्या मोड़, लोहाली, जौरासी, काकड़ीघाट में आए मलबे और बोल्डरों को हटाने में जेसीबी मशीन लगी है। इधर नौणा–कफुल्टा मोटर मार्ग पर व्यासी के पास पेड़ गिरने से आवाजाही बंद

हो गई जिससे ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वाहन चालकों ने पेड़ काटकर सड़क पर वाहनों की आवाजाही सुचारू कराई।

डुंग्री–नैणी सड़क का पुश्ता टूटा, बस्ती में घुसा मलबा

नंदासैंण। विकासखंड के डुंग्री–नैणी मार्ग पर पुश्ता और सड़क क्षतिग्रस्त होने से आवासीय बस्ती में मलबा घुस गया। इससे दो मकान खतरे की जद में आ गए। किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए ग्रामीणों ने रात आंगन में बताई। अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर जल्द नाली निर्माण करने, सड़क की मरम्मत का आश्वासन दिया। ग्रामीणों के अनुसार पहाड़ियों से पानी रिस रहा है और सड़कों पर बह रहा है। सोमवार रात करीब दस बजे पानी ज्यादा इकट्ठा होने के कारण सड़क और उसका पुश्ता टूट गया और पानी व भारी मात्रा में मलबा रामचंद्र नैनवाल और प्रेमचंद्र नैनवाल के घरों के पीछे भर गया। घरों तक मलबा, पानी भर जाने के कारण गांव में अफरा–तफरा मच गई। किसी अनहोनी और भूस्खलन के डर को देखते हुए नैणी गांव के ग्रामीणों ने रात अपने आंगनों में बिताई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना संबंधित प्रशासन को दी। मंगलवार को क्षेत्र के राजस्व उपनिरीक्षक, राजस्व निरीक्षक , पीएमजीएसवाई अधिशासी अभियंता, जेई आदि ने घटना स्थल पर पहुंचकर घटना का निरीक्षण किया। इस दौरान एसजी कैलखुरा, दिगंबर प्रसाद, विजय प्रसाद आदि ग्रामीणों ने सड़क की मरम्मत करने व मलबे को हटाने की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन पर रातभर बरसे रूसी ड्रोन

कीव, एजेंसी। कूटनीतिक बातचीत नाकाम होने के कुछ ही घंटों बाद रूस ने रातभर यूक्रेन पर भीषण हवाई हमले कर दिए। राजधानी कीव में एक गैर-आवासीय इमारत पर रूसी ड्रोन गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक वाहन मरम्मत दुकान में आग लगने से भारी नुकसान पहुंचा। इसके अलावा, मुख्य काला सागर बंदरगाह के पास स्थित दक्षिणी ओडेसा क्षेत्र में हुए कई हवाई हमलों में एक अन्य नागरिक की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। पिछले कुछ महीनों से रूस लगातार क्रूज मिसाइलों, ग्लाइड बमों और ड्रोन से यूक्रेनी ठिकानों पर कहर ढा रहा है।

पाकिस्तान में अजरबैजान की महिला से हैवानियत, कैफे से ले जाकर फ्लैट में सामूहिक दुष्कर्म

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान के लाहौर में व्यापार के सिलसिले में आई अजरबैजान की 20 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, बाकू की रहने वाली पीड़िता करीब दो हफ्ते पहले व्यापारिक सिलसिले में लाहौर पहुंची थी और रायविंड इलाके में ठहरी हुई थी। आरोप है कि 25 सितंबर की रात दो महिलाएं उसे डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी इलाके के एक कैफे में ले गईं, जहां तीन पुरुष भी शामिल हो गए। इसके बाद तीनों पुरुषों ने युवती को ड्रॉप करने का झांसा देकर अपनी गाड़ी में बैठाया और एक फ्लैट में ले गए। वहां उसे कोई नशीला पदार्थ पिलाकर तीनों ने उसके साथ दरिंदगी की और बाद में गाजी इंटरचेंज के पास फेंककर उसका आईफोन भी छीन लिया।

गोलीबारी में 27 लोगों की मौत

दक्षिण अफ्रीका में एक सप्ताह में 38 लोगों की गई जान, गैंगवार की आशंका

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका दो अलग-अलग सामूहिक गोलीबारी की घटनाओं में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा ने बताया कि जोहान्सबर्ग के दक्षिण-पश्चिम में स्थित वेडेला टाउनशिप में शनिवार रात एक बार में आठ संदिग्धों ने एके-47 राइफलों और पिस्तौल से अंधाधुंध गोलीबारी की। इस हमले में 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 15 अन्य लोग गोली लगने से घायल हुए।

पुलिस ने क्या बताया?: एक अलग बयान में पुलिस ने बताया कि केप टाउन के पास लैंडले में रविवार तड़के करीब 1 बजे एक दुकान में हुई सामूहिक गोलीबारी में 10 लोगों की मौत हो गई। इस घटना में 11 अन्य लोग घायल हुए। पुलिस ने बताया कि वह इस मामले में भी कई संदिग्धों की तलाश कर रही है, हालांकि उनकी सटीक संख्या नहीं बताई गई है। पुलिस को आशंका है कि गैंगवार के चलते इस नरसंहार को अंजाम दिया गया है। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है। इन दोनों घटनाओं के कुछ ही दिन पहले दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी तट के शहर डरबन के पास एक घर में आयोजित पार्टी में तीन बंदूकधारियों ने गोलीबारी की थी। उस हमले में एक गर्भवती महिला समेत 11 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में एक गर्भवती महिला भी है। पुलिस ने बताया कि एक घर में पार्टी के दौरान तीन हमलावरों ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। घटना में तीन लोग घायल भी हुए हैं। मरने वालों में एक गर्भवती महिला भी है। घटना डरबन के नजदीक स्थित क्वामख्जुआ शहर में मंगलवार रात को घटी। पुलिस ने बताया कि सामूहिक गोलीबारी के दोनों मामलों में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। दक्षिण अफ्रीका लंबे समय से हिंसक अपराध की ऊंची दर से जूझ रहा है। हालांकि, इस सप्ताह हुई सामूहिक गोलीबारी की लगातार घटनाओं ने देश में भी चिंता बढ़ा दी है, जहां दुनिया में हिंसक अपराध की दर पहले से ही काफी ऊंची है।

होर्मुज खोलने के लिए अपनी शर्तों पर अड़ा ईरान

अमेरिका ने ठुकराया प्रस्ताव क्या बढ़ेगा युद्ध का खतरा?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ईरान ने एक तरफ किसी भी बड़े सैन्य टकराव के लिए तैयार रहने का कड़ा संदेश दिया है, तो दूसरी तरफ कूटनीतिक बातचीत का रास्ता भी खुला रखा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि उनका देश अमेरिका के साथ ऐसी लड़ाई के लिए भी तैयार है, जिसे उन्होंने कयामत की जंग कहा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तेहरान शांति की किसी भी संभावना को खत्म नहीं करना चाहता। अराघची ने यह बयान संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के बाद एनबीसी न्यूज के कार्यक्रम में दिया। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है और साथ ही किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए भी तैयार है। उनके अनुसार तेहरान शांति का कोई अवसर गंवाना नहीं चाहता।

होर्मुज को लेकर बातचीत में गतिरोध

अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य बन गया है। फारस की खाड़ी और अरब सागर के बीच स्थित यह समुद्री मार्ग दुनिया के ऊर्जा व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ईरान ने संघर्ष के दौरान इस मार्ग से तेल और गैस की आवाजाही को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।अराघची ने शुक्रवार को प्रस्ताव दिया था कि अगर अमेरिकी प्रशासन ईरान की शर्तें स्वीकार करता है तो तेहरान 7 दिनों के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता शुरू करने पर सहमत हो सकता है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने अपने सहयोगियों से कहा है कि नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनाव

के बाद ईरान पर अमेरिकी बमबारी फिर शुरू होने की संभावना है। हालांकि यह बात अमेरिकी सरकार की ओर से आधिकारिक रूप से पुष्ट नहीं हुई है।अमेरिका के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत माइकल वॉल्ट्ज ने ईरान के प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार करते हुए इसे ऐसा प्रयास बताया जिसे ईरान पहले से जानता था कि अमेरिका स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु हथियार हासिल करने की संभावना को रोकने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति सभी विकल्प खुले रखेंगे।

ईरान की तीन प्रमुख शर्तें

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने के लिए कई शर्तें रखी हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई के अनुसार इनमें अमेरिका की सैन्य कार्रवाई रोकना, नौसैनिक नाकाबंदी समाप्त करना और ईरान की जब्त संपत्तियों को जारी करना शामिल है।अराघची ने कहा कि मध्यस्थों के साथ हुई बैठकों में ईरान ने अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखी हैं और इन शर्तों को अमेरिकी पक्ष तक पहुंचाया गया है। हालांकि उनके अनुसार अभी तक मध्यस्थों के जरिए अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से तेहरान को कोई औपचारिक जवाब नहीं मिला है।ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि इस गतिरोध को केवल बातचीत के जरिए ही समाप्त किया जा सकता है।

ईरान ने अमेरिकी अंडरवाटर ड्रोन पकड़ने का किया दावा

इसी बीच ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी की नौसेना ने रविवार को एक अमेरिकी स्वायत्त अंडरवाटर वाहन को पकड़ने का दावा किया है ।ईरान की सरकारी समर्थक तस्नीम न्यूज एजेंसी ने आईआरजीसी के हवाले से कहा कि ईरानी नौसेना ने अमेरिका के एक अत्याधुनिक मानवरहित अंडरवाटर वाहन को कब्जे में लिया है ।ईरान ने इसकी पहचान रेमस 600 मानवरहित अंडरवाटर वाहन के रूप में की है ।ईरानी पक्ष के अनुसार वाहन को तकनीकी विशेषज्ञों के हवाले कर दिया गया है ताकि उसमें मौजूद डेटा को हासिल किया जा सके । आईआरजीसी ने यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में अनधिकृत आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी ।हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है ।

दुनिया के तेल बाजार पर सीधा असर

अमेरिका-ईरान संघर्ष का असर अब केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है । होर्मुज जलडमरूमध्य से ऊर्जा की आवाजाही प्रभावित होने के कारण वैश्विक तेल बाजार पर दबाव बढ़ा है । तेल की आपूर्ति में किसी भी बड़े व्यवधान का असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों से लेकर परिवहन लागत और महंगाई तक पर पड़ सकता है ।संघर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा गया और दुनिया के कई हिस्सों में महंगाई बढ़ने की आशंका मजबूत हुई । हालांकि संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की खबरों के बाद सप्ताह के अंत में कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट भी दर्ज की गई ।

भारतीय दवा कंपनियों को अमेरिका से बड़ी राहत: चुनिंदा दवाओं पर नहीं लगेगा टैरिफ

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत से अमेरिका भेजी जाने वाली कुछ खास दवाओं और दवा बनाने वाले कच्चे माल पर अब जीरो अमेरिकी टैरिफ लागू होगा। इससे अमेरिका को दवाएं सप्लाई करने वाले भारत के फार्मा सेक्टर को बड़ी राहत मिल सकती है। यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट ने यह लिस्ट तब जारी की है जब वॉशिंगटन 29 सितंबर से कुछ पेटेंटेड फार्मास्युटिकल इंपोर्ट और उनसे जुड़ी सामग्री पर 100% टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा है। यह छूट भारत से भेजे जाने वाले हर फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट पर लागू नहीं होती है। यह अप्रैल में जारी राष्ट्रपति के आदेश में बताई गई खास दवाओं और सामग्री पर लागू होती है। योग्य प्रोडक्ट्स में ऑरफन ड्रग्स, न्यूक्लियर दवाएं, प्लाज्मा से बनी थेरेपी, फर्टिलिटी दवाएं, सेल थेरेपी, जीन थेरेपी और एंटीबॉडी-ड्रग कॉन्जुगेट्स शामिल हैं। इस लिस्ट में केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर खतरों से जुड़े मेडिकल काउंटरमेजर और जानवरों की सेहत से जुड़े कुछ प्रोडक्ट्स भी शामिल हैं। भारत को अर्जेंटीना, बांग्लादेश, कंबोडिया, इक्वाडोर, अल साल्वाडोर, यूरोपीय संघ, ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, जापान, जॉर्डन, मलेशिया, नॉर्थ मैसेडोनिया, दक्षिण कोरिया, स्विट्जरलैंड और लिकटेंस्टीन, ताइवान, थाईलैंड, ब्रिटेन और वियतनाम के साथ लिस्ट में शामिल किया गया था। नोटिस में कहा गया है कि इन जगहों से आने वाले योग्य प्रोडक्ट्स पर जीरो प्रतिशत टैरिफ लग सकता है क्योंकि अमेरिका के साथ उनका मौजूदा या भविष्य का ट्रेड और सिक्योरिटी फ्रेमवर्क एग्रीमेंट है। ये छूट राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अप्रैल के उस आदेश को लागू करने का हिस्सा हैं, जिसमें ट्रेड एक्सपेंशन एक्ट की धारा 232 के तहत फार्मास्युटिकल्स और फार्मास्युटिकल सामग्री के इंपोर्ट में बदलाव किया गया था। इस आदेश के तहत कुछ खास पेटेंट वाली दवाओं और उनके इंग्रीडिएंट्स पर 100% टैरिफ लगाया गया।

कांगो में बड़ा नाव हादसा: लेक किवु में 50 से ज्यादा लोगों को ले जा रही नाव पलटी

बुकावु (कांगो), एजेंसी। पूर्वी कांगो की किवु झील में शनिवार रात एक नाव पलटने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। हादसा दक्षिण किवु प्रांत के इदज्वी द्वीप के पास हुआ। नाव में 50 से अधिक लोग सवार थे। किसेके गांव के प्रमुख फेलिक्स हबिरागी ने बताया कि हादसे के बाद करीब 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। हालांकि, नाव पलटने की असली वजह अभी सामने नहीं आई है। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, नाव इदज्वी द्वीप के ब्विना इलाके से बोझा की ओर जा रही थी। इसमें मछली कारोबारी और बड़ी मात्रा में सामान भी लदा हुआ था। हादसे के बाद सामने आए कुछ वीडियो में स्थानीय ग्रामीणों और अन्य यात्रियों को झील से शव बाहर निकालते हुए देखा गया। राहत और बचाव अभियान के बीच लापता लोगों की तलाश जारी है। इदज्वी के रहने वाले क्रिश्चियन अमिनी नदाहिरा ने बताया कि हादसे में उन्होंने अपने एक दोस्त को खो दिया। उन्होंने कहा कि नाव पर सवार होने से पहले शाम को ही उनकी दोस्त से बातचीत हुई थी। उन्होंने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि इस हादसे से उसके परिवार और उनके लिए बहुत दुखद स्थिति पैदा हो गई है।

कांगो में आम हैं नाव हादसे

कांगो में नाव दुर्घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। देश में 10 करोड़ से अधिक आबादी के लिए नदियां और झीलें परिवहन का प्रमुख साधन हैं। कई बार नावों में क्षमता से अधिक यात्रियों और सामान को ले जाया जाता है। इदज्वी में नागरिक समाज से जुड़े डोरसेल बागाजाने ने बताया कि प्रशासन ने यात्रियों के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य करने की दिशा में कदम उठाए हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग अब भी बिना लाइफ जैकेट के नावों में सफर करते हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा नियम लागू किए जाने के बावजूद उनका पालन पूरी तरह नहीं हो रहा है, जिससे ऐसे हादसों में जान का जोखिम बढ़ जाता है।

'ईरान पर दोबारा हमला संभव है': ट्रंप ने किया बड़ा इशारा, अराघची बोले- विनाशकारी युद्ध के लिए तैयार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी संघर्ष को लेकर दावा किया है कि अमेरिका यह युद्ध बहुत जल्द जीत लेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका में आगामी मध्यावधि चुनाव से पहले ईरान पर नए सैन्य हमले की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ट्रंप ने रविवार को स्थानीय समयानुसार पीजीए टूर प्रेसिडेंट्स कप से इतर फॉक्स न्यूज से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि संघर्ष खत्म होते ही वैश्विक तेल कीमतों में बड़ी गिरावट आ सकती है। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम यह युद्ध बहुत जल्द जीतने जा रहे हैं और जैसे ही हम इसे जीतेंगे, तेल की कीमत बहुत नीचे चली जाएगी, उतनी ही जितनी युद्ध से पहले थी। ' जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा गया कि क्या आगामी मध्यावधि चुनाव से पहले अमेरिका दोबारा सैन्य हमले कर सकता है, तो उन्होंने इस संभावना को खारिज नहीं किया। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसा नहीं कहना चाहता। मेरा मतलब है कि यह संभव है, लेकिन मैं बस यह नहीं कहना चाहता।' ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी

नीति का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान परमाणु हथियार हासिल न करे। उन्होंने कहा, 'और मुख्य बात यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होगा।' उन्होंने परमाणु प्रतिरोध को पूरे मामले के लिए महत्वपूर्ण बताया।

सैन्य और आर्थिक दबाव दोनों पर जीत का दावा : 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' और यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका सैन्य दबाव या आर्थिक प्रतिबंधों के जरिए ईरान के खिलाफ आगे बढ़ रहा है, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका दोनों मोर्चों पर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम दोनों तरीकों से जीतेंगे। सैन्य दृष्टिकोण से तो हम वास्तव में पहले ही जीत चुके हैं।' साथ ही उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि सैन्य कार्रवाई रुक गई है।

ईरान की अर्थव्यवस्था को लेकर ट्रंप का दावा : ट्रंप ने ईरान पर आर्थिक दबाव के असर का जिक्र करते हुए दावा किया कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह बर्बाद हो गई है। उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से बहुत बड़ी जीत हासिल कर रहे हैं। अगर आप उनकी अर्थव्यवस्था को देखें, तो वह खत्म हो चुकी है। उनके पास कोई अर्थव्यवस्था नहीं है।' ईरानी मुद्रा की स्थिति और महंगाई का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि वहां मुद्रा का मूल्य लगभग खत्म हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि ईरान में महंगाई करीब 300 प्रतिशत तक पहुंच गई है और उन्होंने सुबह तक यह आंकड़ा 318 प्रतिशत सुने जाने की बात कही। ट्रंप ने कहा, '300 प्रतिशत, यानी उनकी मुद्रा खत्म हो चुकी है, उनकी अर्थव्यवस्था खत्म हो चुकी है और उनकी सेना खत्म हो चुकी है।

मलबे से निकाले गए थे मोजतबा खामेनेई, अमेरिकी हमले से बाल-बाल बचे ईरान के नए सुप्रीम लीडर

तेहरान , एजेंसी। ईरान के नए सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह मोजतबा खामेनेई को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। तेहरान के अस्पताल पर अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद उन्हें मलबे से बाहर निकाला गया। ईरान की असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के सदस्य मोहसिन हैदरी ने 'अल अरबी' टीवी पर यह खुलासा किया। हैदरी के मुताबिक मोजतबा शुरुआती हमलों में जख्मी होकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती थे। इसके बाद तेहरान के तीन अस्पतालों पर बमबारी हुई और मोजतबा को तीसरे अस्पताल से निकाला गया। ईरानी प्रशासन ने अमेरिकी दावों को खारिज कर कहा है कि मोजतबा स्वस्थ हैं और देश

संभाल रहे हैं।

असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के सदस्य का बड़ा खुलासा : असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के सदस्य मोहसिन हैदरी ने 'अल अरबी' टीवी पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने बताया कि मोजतबा खामेनेई शुरुआती हवाई हमलों में जख्मी हो गए थे। इलाज के लिए उन्हें तेहरान के एक प्रमुख अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

लेकिन इसके बाद अमेरिकी व इजराइली सेना ने तेहरान के तीन अस्पतालों पर बमबारी की। हैदरी के अनुसार मोजतबा खामेनेई उस समय तीसरे अस्पताल में मौजूद थे। बमबारी से अस्पताल की इमारत ध्वस्त हो गई और वे मलबे में दब गए। राहत व बचाव दल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें मलबे से बाहर निकाला। यह खुलासा ऐसे समय आया है जब मोजतबा की सेहत को लेकर दुनिया में कयास लगाए जा रहे थे।

गुप्त बैठक में मतदान और नए सुप्रीम लीडर का चयन : मोहसिन हैदरी ने नए सर्वोच्च नेता के चयन की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चयन के दौरान कोम स्थित असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के दफ्तर पर हमला हुआ। उस हवाई हमले में 8 लोगों की मौत हुई और चयन से जुड़े कई दस्तावेज नष्ट हो गए।

इसके बावजूद असेंबली के सदस्यों ने गुप्त स्थान पर बैठक बुलाई और वोटिंग कराई। सचिवालय तबाह होने के बाद सदस्यों ने पर्चियों पर अपने वोट दर्ज किए। कुल 59 सदस्यों में से 50 सदस्यों ने मोजतबा खामेनेई के पक्ष में मतदान किया। अयातुल्लाह अलीरेजा अराफी को 8 वोट मिले, जबकि एक सदस्य तटस्थ रहा। चयन के समय मोजतबा को चुने जाने की जानकारी टीवी पर आधिकारिक ऐलान तक नहीं थी।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री अल्बानीज ने पीएम मोदी की तारीफ

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने दिसंबर में एक बिजनेस डेलिगेशन के साथ भारत आने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ रिश्ते तेजी से मजबूत हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी की पूरी क्षमता का अभी तक इस्तेमाल नहीं हो पाया है। अल्बानीज ने कहा कि उनकी भारत यात्रा के दौरान मुंबई में एक बिजनेस कार्यक्रम होगा और यात्रा का समापन चेन्नई में एक क्रिकेट मैच के साथ होगा।

उन्होंने न्यूयॉर्क में एशिया सोसायटी के एक कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री केविन रड के साथ बातचीत के दौरान इस यात्रा की जानकारी दी। अल्बानीज ने कहा की दिसंबर में फ्लोरिडा से लौटते समय, जहां राष्ट्रपति ट्रंप की मेजबानी में शायद 14 और 15 दिसंबर को जी20 बैठक हो रही है, मैं रास्ते में भारत जाऊंगा। उन्होंने कहा, 'हम एक दिन का कार्यक्रम करेंगे। मुझे यह आइडिया पसंद है। बिजनेस काउंसिल ऑफ ऑस्ट्रेलिया के साथ कई कंपनियों के प्रतिनिधियों को लेकर मैं मुंबई जाऊंगा। अल्बानीज ने कहा कि उनकी भारत यात्रा का समापन चेन्नई में एक क्रिकेट कार्यक्रम से होगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया राज्यों की टीमें शामिल होंगी। उन्होंने कहा, 'जैसा कि भारत में अक्सर होता है, इसका समापन एक क्रिकेट मैच के साथ होगा।' अल्बानीज ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच लोकतांत्रिक व्यवस्था और कॉमनवेल्थ से जुड़े रिश्ते हैं। इसके अलावा दोनों देशों के बीच शिक्षा और खेल के क्षेत्र में भी मजबूत संबंध हैं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटियां भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही हैं।

अल्बानीज ने कहा की 'हालांकि, हम अभी बहुत कुछ और कर सकते हैं। इस रिश्ते और साझेदारी की पूरी क्षमता का अब तक इस्तेमाल नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी और मैं, दोनों इसे बदलने के लिए काफी उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और बड़ी आबादी की वजह से ऑस्ट्रेलिया के लिए भारत के साथ संबंध लगातार ज्यादा महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। अल्बानीज ने कहा, 'भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। उसके पास पहले से ही दुनिया की सबसे बड़ी आबादी है।'

दक्षिण अफ्रीका में भीषण सड़क हादसा, ट्रक और मिनीबस की भीषण टक्कर

11 लोगों की मौत, 8 घायल

केप टाउन , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के क्वाजुलु-नताल में भीषण सड़क हादसा हुआ है। एन2 हाईवे पर उत्तर जा रही मिनीबस टैक्सी और विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक में टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि धमाके जैसी आवाज के साथ मिनीबस में भयंकर आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में 11 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई तथा 8 लोग गंभीर घायल हो गए। घायलों को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां कई की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस तथा रोड ट्रैफिक मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन की टीमें हादसे की संयुक्त जांच कर रही हैं।

क्वाजुलु-नताल प्रांत के एन2 हाईवे पर दर्दनाक दुर्घटना : यह हादसा स्थानीय समयानुसार रविवार सुबह करीब 4 बजे पर घटित हुआ। इनकोसी म्तुबातुबा म्युनिसिपैलिटी में ह्2 हाईवे पर दोनों वाहन आपस में टकरा गए। इंडिपेंडेंट ऑनलाइन ने ट्रांसपोर्ट व ह्यूमन सेटलमेंट्स विभाग के हवाले से रिपोर्ट दी। टक्कर होते ही मिनीबस में धमाका हुआ और कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे वाहन को घेर लिया। सिन्हुआ के मुताबिक आग में झुलसे आठ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें कई लोगों की हालत चिंताजनक बनी हुई है और वे गंभीर रूप से झुलस चुके हैं। पुलिस तथा प्रांतीय अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। रोड ट्रैफिक मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन पुलिस के साथ मिलकर हादसे की जांच कर रहा है।

13 सितंबर को वेस्टर्न केप में हुआ था 21 लोगों की मौत वाला हादसा : दक्षिण अफ्रीका के वेस्टर्न केप प्रांत में 13 सितंबर को भी भयानक हादसा हुआ था। वह दुर्घटना रात करीब 11:30 बजे प्रिंस अल्बर्ट तथा लीउ-गामका के बीच एन1 हाईवे पर हुई। हादसे में दो मिनीबस टैक्सियां और एक स्टेशन वैगन आपस में टकरा गए थे।

शुरुआत में पुलिस प्रवक्ता क्रिस्टोफर स्पाइस ने 18 लोगों की मौत की पुष्टि की थी। बाद में वेस्टर्न केप मोबिलिटी डिपार्टमेंट ने मरने वालों की कुल संख्या 21 बताई थी। घायल यात्रियों को इलाज के लिए पास के मेडिकल सेंटरों में भर्ती कराया गया था। स्थानीय पुलिस ने इस दर्दनाक हादसे के बाद गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया था। कुछ ही दिनों के भीतर हुए इस दूसरे हादसे ने सड़क सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मिनीबस टैक्सियों से बढ़ते हादसे और प्रशासन की चिंता : दक्षिण अफ्रीका में मिनीबस टैक्सियां सार्वजनिक परिवहन का मुख्य साधन मानी जाती हैं। लेकिन सुरक्षा मानकों की अनदेखी और तेज रफ्तार से ये अक्सर हादसों का कारण बनती हैं। लाखों नागरिक रोजाना अपनी यात्रा के लिए इन्हीं मिनीबस टैक्सियों पर निर्भर रहते हैं। बार-बार होने वाले इन भीषण हादसों से जन-धन की भारी हानि हो रही है। प्रशासनिक अधिकारियों ने एन2 हाईवे पर हुई ताजा दुर्घटना पर गहरा दुख जताया है। अधिकारियों ने कहा कि सड़क हादसों को रोकने के लिए यातायात नियम सख्त किए जाएंगे। जांच एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि दुर्घटना ड्राइवर की लापरवाही से हुई या यांत्रिक खराबी से। सरकार सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जुटी है।

मंटीनेशनल कंपनियों में ऐसे करें अप्लाई

बहुत बार लोगों को जब नौकरी की जरूरत होती है, तब उनके पास जॉब स्वीच करने के बहुत कम ऑप्शन होते हैं। इस आर्टिकल में जानें कुछ ऐसी कंपनियों के बारे में जहां आप कभी भी जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

नयी नौकरी ढूंढते वक्त बहुत से लोगों को सही ऑप्शन ना मिलने की समस्या का सामना करना पड़ता है। कंपनियों में निश्चित समय के लिए हायरिंग होती है, जिसके बाद बहुत से उम्मीदवार सही विकल्प की तलाश करने में परेशानी का सामना करते हैं। हालांकि, क्या आपको यह पता है कि कुछ कंपनियों में सालभर जॉब की वेकेंसी निकलती है? आइए जानते हैं इन कंपनियों के बारे में।

भारत में ढेर सारी ऐसा मंटीनेशनल कंपनी हैं, जहां हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग हो रही होती है। आपको नौकरी ढूंढने के लिए सबसे पहले मंटीनेशनल कंपनियों की लिस्ट तैयार करनी है। अब इन सभी कंपनियों के जॉब अप्लाई सेक्शन में जाएं और आवेदन दें। किसी भी एमएनसी में काम करने के लिए अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए। दरअसल ज्यादातर एमएनसी में इंटरव्यू से पहले एक लैंग्वेज टेस्ट लिया जाता है, जिसे क्लियर करना जरूरी होता है।

टाटा ग्रुप में करें अप्लाई

टाटा ग्रुप आज भारत का जाना-माना समूह है। टाटा ग्रुप के हाइरिंग पोर्टल पर भी आपको हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग होते हुए मिलगी। हालांकि, जॉब की लोकेशन भारत के अलग-अलग हिस्सों के लिए हो सकती है। टाटा ग्रुप में आवेदन देने के लिए आपको टाटा ग्रुप की वेबसाइट के करियर पेज पर अप्लाई करना है।

बड़ी कंपनियों को करें टारगेट

सेमसंग, हिटाची आदि जैसी फेमस कपंनियों में भी पूरे साल हाइरिंग चल रही होती है। पद से जुड़ी सारी जानकारी आपको पार्टल के करियर के सेक्शन में मिल जाएगी। करियर सेक्शन में जाकर आप इन पदों के लिए अपना रिज्यूमे और कवर लेटर भेज सकते हैं।

पेटीएम

अगर आप पेटीएम के जॉब सेक्शन में जाएंगे, तो हर वक्त 50 से ज्यादा पदों पर हाइरिंग की जानकारी प्राप्त होगी। आईटी से लेकर एचआर तक से जुड़े पदों पर आवेदन देने के लिए पेटीएम अच्छा ऑप्शन है।

अप्लाई करने के लिए 1 ट्रिक

बहुत बार हम अपना रिज्यूमे ठीक से नहीं बनाते और बिना कवर लेटर के ही जॉब के लिए अप्लाई कर देते हैं। कोशिश करें कि आप कवर लेटर के साथ ही आवेदन करें।

पशु-पक्षियों की बीमारियों की रोकथाम, नियंत्रण और इलाज से संबंधित है वेटरनरी शाखा

12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, बीएससी नर्सिंग बीएससी बायोटेक्नोलॉजी और वेटरनरी कोर्स किए जा सकते हैं।

वेटरनरी एक शाखा है, जो पशु-पक्षियों की बीमारियों की स्थिति और चोटों की रोकथाम, नियंत्रण और इलाज से संबंधित है। वेटरनरी कोर्स में पालतू और जंगली जानवरों की बीमारियों और उनके उपचार के बारे में बताया जाता है। पशु कल्याण के बढ़ते महत्व और पशु चिकित्सा सेवाओं की बढ़ती मांग के साथ, ये कोर्स एक आशाजनक और बेहतर करियर का मार्ग प्रदान करते हैं। इसके अलावा, पशु चिकित्सा कोर्स प्रैक्टिकल अनुभव देते हैं। आज के समय में पशु चिकित्सकों की कमी है। इस कोर्स के माध्यम से आप पशु अस्पतालों, चिड़ियाघरों, प्रयोगशालाओं में नौकरी या अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

पशु चिकित्सक की पढ़ाई के लिए 12वीं का है महत्व

इसके लिए छात्रों को 12वीं पीसीबी (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) के साथ पास करना होगा, ताकि वे पसंदीदा यूनिवर्सिटी और कोर्स में प्रवेश ले सकें। भारत में पशु चिकित्सक बनने के इच्छुक छात्रों को नीट-यूजी या एआईपीवीटी की परीक्षा पास करने की जरूरत होती है। 12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं

- बीएससी नर्सिंग
- बीएससी बायोटेक्नोलॉजी
- बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी
- बैचलर ऑफ फार्मेसी
- बीएससी मनोविज्ञान
- बीएससी बायोमेडिकल साइंस
- बीएससी क्लिनिकल रिसर्च
- बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी
- बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस
- पशु चिकित्सा विज्ञान

कोर्स की विविधताएं

इस क्षेत्र में आपके लिए बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी, बीएससी इन वेटरनरी पैथोलॉजी, बीएससी इन एनिमल जेनेटिक्स एंड ब्रीडिंग, बीएससी एनिमल न्यूट्रिशन, बीएससी इन वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजी आदि कोर्स मौजूद हैं। आप वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हेल्थ टेक्नोलॉजी, वेटरनरी फार्मेसी, एनिमल हसबेंडरी में डिप्लोमा और वेटरनरी मेडिसिन, वेटरनरी सर्जरी में पीजी डिप्लोमा कर सकते हैं। अगर आप शोध करने के इच्छुक हैं, तो पीएचडी इन वेटरनरी साइंस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कोर्स के लिए जरूरी ज्ञान अध्ययन के पहले कुछ सालों के दौरान पशु चिकित्सक बनने के लिए जरूरी ज्ञान और सिद्धांतों से परिचित कराया जाएगा। अगले चरण में उन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा, जिनमें आप सबसे अधिक रुचि रखते हैं। अंत में, आप पशुओं का निरीक्षण और देखभाल करने वाले संगठनों से जुड़ सकते हैं।

रोजगार के अवसर

वेटरनरी कोर्स करने के बाद आप पशु सर्जन, चिड़ियाघर और वन्य जीव पशु चिकित्सा, पशु एनाटॉमिस्ट, वेटरनरी ऑफिसर, पशु रोग विशेषज्ञ, रिसर्चर, पशु चिरौप्रैक्टर, सरकारी और गैर-सरकारी एनिमल हॉस्पिटल से अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

इनके अलावा, पैरामेडिकल क्षेत्र में भी कई कोर्स उपलब्ध हैं, जिनमें एनईईटी की आवश्यकता नहीं होती। इनमें चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी, फिजियोथेरेपी और रेडियोलॉजी जैसे कोर्स शामिल हैं। नीट पास किए बिना मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के कुछ और विकल्प ये हैं, फ्लेबोटोमिस्ट्स (रक्त का नमूना लेने वाले), मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट, पोषण विशेषज्ञ (न्यूट्रीशनिस्ट), फिजिशियन असिस्टेंट। हालांकि, नीट पास किए बिना किए गए इन कोर्सेज में किसी को भी एमबीबीएस डॉक्टर नहीं कहा जाएगा।

वेटरनरी कोर्स करने के लिए इन संस्थाओं में ले सकते हैं दाखिला

- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू)
- गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंत नगर
- वेटरनरी कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (वीसीआरआई), चेन्नई
- पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान कॉलेज, राजस्थान
- इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई), बरेली

बिना एक्सपीरियंस के भी इन टिप्स की मदद से पा सकते हैं नौकरी

आज के समय में नौकरी पाने के लिए एक्सपीरियंस का होना बेहद जरूरी है। लेकिन अगर आपके पास एक्सपीरियंस नहीं है तो भी आप इन टिप्स की मदद से नौकरी पा सकते हैं।

जीवन में सफलता पाने की शुरुआत एक्सपीरियंस के साथ होती है। जब आप कहीं पर नौकरी करते हैं तो आपको काम का एक्सपीरियंस मिलता है। एक बार एक्सपीरियंस मिल जाने के बाद जॉब स्विच करना काफी आसान हो जाता है। लेकिन समस्या तब होती है, जब आपके पास काम का एक्सपीरियंस ना हो। अक्सर कंपनियां ऐसे लोगों को हायर करने से बचती हैं, जो फ्रेशर हों। दरअसल, फ्रेशर होने के कारण कंपनी सामने वाले व्यक्ति की काबिलियत का अंदाजा नहीं लगा पाते हैं। ऐसे में फ्रेशर के लिए एक अच्छी जॉब पाना काफी मुश्किल हो जाता है। हो सकता है कि आपने भी अभी-अभी अपनी पढ़ाई खत्म की हो और अब आप एक अच्छी जॉब की तलाश में हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बिना एक्सपीरियंस के भी एक अच्छी नौकरी पा सकते हैं-

रिज्यूम को बनाए मजबूत

किसी भी कंपनी में जॉब इंटरव्यू के लिए पहले आपको अपना रिज्यूम देना होता है। इसलिए, सबसे पहला और जरूरी कदम है कि आप अपने रिज्यूम को थोड़ा मजबूत बनाने की कोशिश करें। भले ही आपके पास वर्क एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन फिर भी आप उस जॉब के लिए जरूरी स्किल्स को रिज्यूम में मेंशन करें। साथ ही, अगर आपने पढ़ाई के दौरान किसी तरह की वर्कशॉप आदि में भाग लिया है तो उसे भी जरूर लिखें। इस तरह छोटी-छोटी खूबियों को हाइलाइट करने से आपको नौकरी मिलने की चांस काफी अधिक बढ़ जाते हैं।

एंट्री-लेवल जॉब के लिए करें अप्लाई

चूंकि प्रोफेशनल लाइफ में अभी आपकी शुरुआत है तो ऐसे में आपके लिए एकदम से मनचाही जॉब मिलना काफी कठिन है। शुरुआत में आपको एक्सपीरियंस हासिल करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप एंट्री-लेवल पोस्ट के लिए अप्लाई करें। इस तरह की जॉब्स में कंपनियां पैसा काफी कम देती हैं, लेकिन वे एक फ्रेशर को काम करने का अवसर भी देती है। जब आप एंट्री-लेवल जॉब को हासिल कर लेते हैं तो फिर आपके लिए बेहतर नौकरी पाने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। आप ऑनलाइन वेबसाइट की मदद से एंट्री-लेवल जॉब ढूंढ सकते हैं और अप्लाई कर सकते हैं।

सीखना ना छोड़ें

अमूमन यह देखने में आता है कि जब पढ़ाई पूरी हो जाती है, तो लोग नौकरी की तलाश में लग जाते हैं। लेकिन अगर आप एक बेहतर जॉब की तलाश में हैं तो सीखना कभी भी ना छोड़ें। आप जॉब ढूंढने के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स पर भी काम करते रहें। आजकल ऑनलाइन व ऑफलाइन कई शॉर्ट टर्म कोर्स अवेलेबल हैं। आप अपने फील्ड को ध्यान में रखते हुए अन्य स्किल्स को शॉर्प करते रहें। इससे आपका रिज्यूम भी बेहतर बनता है और जॉब मिलना भी अधिक आसान होता है।

नेटवर्क व सोशल मीडिया का सहारा

नेटवर्किंग व सोशल मीडिया के जरिए भी आपको कई अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आप कई सोशल मीडिया वेबसाइट पर अपनी फील्ड के लोगों से जुड़ सकते हैं। साथ ही साथ, अपने काम या स्किल्स को सोशल मीडिया पर पोस्ट अवश्य करें। इससे लोगों को आपकी काबिलियत का पता चलता है। इतना ही नहीं, आप अपने दोस्तों, परिवार, प्रोफेसरों और अन्य जानकारों की मदद से प्रोफेशनल कनेक्शन मजबूत करें। अक्सर कनेक्शन व नेटवर्किंग की मदद से प्रोफेशनल लाइफ में अपने पैर जमाना काफी आसान हो जाता है।

अच्छी आवाज के धनी लोगो के लिए डबिंग आर्टिस्ट है अच्छा करियर विकल्प

डबिंग आर्टिस्ट बनने के लिए किसी खास योग्यता की जरूरी नही होती हैं. यदि आप दिलकश आवाज और शानदार भास : के धनी हैं तो आप आसानी से डबिंग आर्टिस्ट बन सकते हैं. डबिंग आर्टिस्ट बनने के लिए हाल ही में कुछ कोर्सेज भी शुरू किये गए हैं हैं जिनके लिए शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 10 वी पास रहेगी.

योग्येता-

डबिंग आर्टिस्ट बनने के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज हैं आवाज. आपकी आवाज ब्राडकास्टिंग क्वालिटी की होनी चाहिए इससे आप भले ही किसी भी फिल्म या विज्ञापन में अपनी आवाज दे आपकी आवाज आपकी गुणवत्ता को दर्शाएगी. इसके अलावा आपकी भाषा में अच्छी पकड़ भी होनी चाहिए क्यूंकि भाषायी कौशल भी इसके लिए बेहद जरूरी हैं.

आपका सही उच्चारण, आपको अलग अलग तरह से बोल पाने की योग्यता, लोगो के हाव भाव को समझ पाने का कौशल भी आपके अंदर होना जरूरी हैं. आपको डबिंग स्टार के रूप में लोगो के हाव भाव को भी समझ कर अपनाना होता हैं. अच्छे डबिंग स्टार के तोर पर आपको लोगो से कनेक्शन बना पाने की योग्यता भी आनी चाहिए.

अवसर-

डबिंग आर्टिस्ट के तोर पर करियर के कई अवसर उपलब्ध होते हैं. डबिंग स्टार के लिए रेडियो तथा टीवी चैनलों, प्रोडक्शन हाउसेज, विज्ञापन उद्योग, डॉक्यूमेंटरी फिल्म्स, एनिमेशन जगत, ऑनलाइन एजुकेशन (ऑडियो बुक डबिंग) में करियर के अवसर उपलब्ध हैं.. इस क्षेत्र में काफी स्ट्रगल भी हैं पर एक बार आपका करियर शुरू हो जाता हैं तो आगे बढ़ने के कई अवसर आपको मिलेंगे.

कोर्स-

इस क्षेत्र में डिग्री कोर्स या डिप्लोमा कोर्स नही होते हैं.पर कुछ संस्थाए ऐसी भी हैं जो सर्टिफिकेट कोर्स भी करवाती हैं.जिनकी अवधि एक महीने की होती हैं.

वसुंधरा ताल में लगेगा अर्ली वार्निंग सिस्टम

उत्तराखण्ड में ग्लेशियल झीलों की निगरानी को मिलेगी नई तकनीकी ताकत

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखण्ड में ग्लेशियल झीलों से उत्पन्न संभावित ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (ग्लॉफ) के जोखिम को कम करने तथा उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर झीलों की निगरानी एवं पूर्व चेतावनी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है। चमोली जनपद स्थित वसुंधरा ताल से प्रदेश में ग्लेशियल झीलों में अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित करने की शुरुआत की जा रही है।

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने मंगलवार को सचिवालय से वसुंधरा ताल में निगरानी एवं पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित करने के लिए जा रहे वैज्ञानिक एवं तकनीकी दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा दल को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पहल आने वाले समय में ग्लॉफ के खतरों को कम करने तथा जोखिम को समझने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक सेंसर, उपग्रह संचार और वास्तविक समय में आंकड़ों की निगरानी से ग्लेशियल झीलों में होने वाले परिवर्तनों को बेहतर ढंग से समझने में सहायता मिलेगी। यह पहला वैज्ञानिक दल है, जो उत्तराखण्ड की ग्लेशियल झील में निगरानी एवं पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित करने के लिए उच्च हिमालयी क्षेत्र में जा रहा है। यह अभियान 29 सितम्बर से 15 अक्टूबर, 2026 तक प्रस्तावित है। इधर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अभियान में शामिल सभी वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों एवं सुरक्षा बलों को शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित होने के कारण ग्लेशियल झीलों की निगरानी और उनसे जुड़े संभावित जोखिमों के प्रति सतर्कता हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वसुंधरा ताल में अर्ली वार्निंग सिस्टम की स्थापना राज्य की आपदा तैयारियों को तकनीक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से और अधिक मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राज्य सरकार का प्रयास है कि वैज्ञानिक संस्थानों, विशेषज्ञों और आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी विभागों के समन्वय से उच्च हिमालयी क्षेत्रों में आधुनिक निगरानी एवं पूर्व चेतावनी तंत्र को और मजबूत किया जाए। इस अवसर पर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन, अपर मुख्य

कार्यकारी अधिकारी प्रशासन प्रकाश चंद्र, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, कमांडेंट एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी, निदेशक सीबीआरआई आर प्रदीप कुमार, सीबीआरआई के वैज्ञानिक डॉ. डीपी कानूनगो, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश कुमार पुनेठा, डॉ. शांतनु सरकार, एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट रोहिताश्वा मिश्रा, वाडिया के वैज्ञानिक डॉ. अमित कुमार आदि उपस्थित रहे।

इन उपकरणों से होगी वसुंधरा ताल की निगरानी

जलस्तर सेंसर-झील के जलस्तर में उतार-चढ़ाव एवं असामान्य परिवर्तनों की निगरानी, स्वचालित मौसम केंद्र-तापमान, आर्द्रता, वर्षा, हवा की गति एवं दिशा, वायुदाब तथा प्रकाश की तीव्रता का मापन, स्नो डेप्त सेंसर-झील के आसपास बर्फ की गहराई में होने वाले बदलावों की निगरानी, स्नो सब सरफेस टेंपरेचर सेंसर-बर्फ की विभिन्न गहराइयों पर तापमान में होने वाले बदलावों की निगरानी के लिए आठ सेंसर, टिल्ट एवं एक्सेलेरोमीटर सेंसर-चयनित स्थानों पर झुकाव, कंपन एवं हलचल की निगरानी, जल प्रवाह सेंसर-जल प्रवाह में होने वाले परिवर्तनों की निगरानी, सौर ऊर्जा प्रणाली-दुर्गम उच्च हिमालयी क्षेत्र में उपकरणों को विद्युत आपूर्ति, उपग्रह संचार प्रणाली-मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में आंकड़ों को बेस स्टेशन तक भेजने की व्यवस्था, डेटा लॉगर एवं मॉनिटरिंग डैशबोर्ड-प्राप्त आंकड़ों का रिकॉर्ड, ऑनलाइन प्रदर्शन तथा निर्धारित थ्रेशोल्ड के आधार पर अलर्ट जनरेशन।

तकनीकी आंकड़ों के आधार पर जोखिम का आंकलन

इस प्रणाली के माध्यम से वसुंधरा ताल एवं उसके आसपास के पर्यावरणीय और जलवैज्ञानिक परिवर्तनों की लगातार निगरानी की जा सकेगी। सेंसरों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर संभावित असामान्य परिवर्तनों की पहचान करने और समय रहते संबंधित तंत्र को अलर्ट उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियल झीलों की वैज्ञानिक निगरानी और आधुनिक पूर्व चेतावनी प्रणालियों की स्थापना से राज्य की आपदा पूर्व तैयारी को और अधिक मजबूत किया जा सकेगा। वसुंधरा ताल में शुरू की जा रही यह पहल भविष्य में अन्य संवेदनशील ग्लेशियल झीलों में भी ऐसी प्रणालियां स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार करेगी।

अर्ली वार्निंग सिस्टम को मजबूत करना प्राथमिकता

आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि उत्तराखण्ड में ग्लेशियल झीलों की वैज्ञानिक निगरानी को मजबूत करना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। वसुंधरा ताल से अर्ली वार्निंग सिस्टम की स्थापना की शुरुआत प्रदेश में ग्लेशियल झीलों से जुड़े जोखिमों की निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है।

डाकपत्थर कॉलेज छात्रसंघ चुनाव में शुभम तोमर अध्यक्ष निर्वाचित

विकासनगर। वीर शहीद केसरी चंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डाकपत्थर में छात्रसंघ चुनाव 2026–27 के परिणाम घोषित हो गए हैं।

मतगणना में अध्यक्ष पद पर शुभम तोमर ने 738 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। उन्होंने करिश्मा को 254 मतों के अंतर से पराजित किया। करिश्मा को 484 मत मिले।

महाविद्यालय की ओर से जारी समेकित मतगणना विवरण के अनुसार सचिव पद पर समीर ने 662 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। उन्होंने मो. अरसद अली को 128 मतों से हराया। अरसद अली को 534 मत मिले।

सह सचिव पद पर ऋषिका 484 मत प्राप्त कर निर्वाचित हुईं। उन्होंने तानिया चौहान को 86 मतों से पीछे छोड़ा। तानिया चौहान को 398 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर टीना नेगी ने 507 मत प्राप्त कर जीत हासिल की। उन्होंने ममता को 49 मतों के अंतर से हराया। ममता को 458 मत मिले।वहीं विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पद पर विक्की पंवार ने 830 मत प्राप्त कर शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने वंश रावत को 440 मतों के अंतर से पराजित किया। वंश रावत को 390 मत मिले। महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में उत्साह का माहौल है। चुनाव परिणामों ने कॉलेज परिसर की छात्र राजनीति में नई तस्वीर सामने रखी है।

गौला नदी से दो घंटे ठप रही जलापूर्ति

हल्द्वानी। बारिश भले ही थम गई हो लेकिन गौला बैराज से जलापूर्ति बाधित होने का कम जारी रहा। सोमवार को बैराज में सिल्ट जमा हो गई। सिंचाई विभाग की ओर से सफाई के लिए शाम पांच बजे बैराज के गेट खोल दिए गए। इससे शीशमहल फिल्टर प्लांट की पानी की सप्लाई ठप हो गई। इसकी वजह से बरेली रोड, रामपुर रोड क्षेत्र में आंशिक तौर पर लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ा। सहायक अभियंता रवींद्र कुमार ने बताया कि देर शाम सात बजे बैराज से प्लांट की आपूर्ति सुचारु कर दी गई थी।

साइंस सिटी देहरादून परियोजना को केंद्र से मिलेगी 14 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री धामी को पत्र भेजकर दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : साइंस सिटी देहरादून परियोजना के शीघ्र पूर्ण होने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र भेजकर अवगत कराया है कि परियोजना के लिए आवश्यक लगभग 39 करोड़ रुपये की गैप फंडिंग में केंद्र सरकार की ओर से 14 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि वहन करने का निर्णय लिया गया है।

लगभग 39 करोड़ रुपये की कुल गैप फंडिंग में संस्कृति मंत्रालय का हिस्सा करीब 14 करोड़ रुपये तथा उत्तराखंड सरकार/यूकोस्ट का हिस्सा करीब 25 करोड़ रुपये होगा। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पत्र में बताया कि समीक्षा बैठक में प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर मंत्रालय ने केंद्रीय शेयर के रूप में 14 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि वहन करने का निर्णय लिया है। यह राशि नए एवं अनिवार्य घटकों की लागत से संबंधित है तथा मूल परियोजना की तरह ही 60:40 के अनुपात में राज्य सरकार के साथ साझा की जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साइंस सिटी देहरादून परियोजना के लिए केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराने के निर्णय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि साइंस सिटी प्रदेश के विद्यार्थियों, युवाओं और विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान एवं नवाचार का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी।

संक्षिप्त समाचार

जमालपुर कलां में ऊर्जा निगम 13 जगह पकड़ी बिजली चोरी

हरिद्वार। ऊर्जा निगम की टीम ने मंगलवार को कनखल के जमालपुर कलां गांव में बिजली चोरी और बकाया राजस्व के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान 13 घरों में बिजली चोरी पकड़ी गई।ऊर्जा निगम और विजिलेंस की टीम ने घर–घर जाकर कनेक्शनों की जांच की। एसडीओ जगजीतपुर अमित तोमर के नेतृत्व में टीम ने मीटर, कनेक्शन और तारों की जांच के साथ बिजली चोरी के तरीकों को भी देखा। बड़े बकायेदारों पर भी कार्रवाई की गई। इस दौरान 30 बकायेदारों के विद्युत कनेक्शन काटे गए और करीब पांच लाख रुपये की राजस्व वसूली की गई।अधिशासी अभियंता ज्वालापुर रवि कुमार ने बताया कि बिजली चोरी और लंबे समय से बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। इस दौरान जेई वरुण प्रताप पंवार, सुमित त्यागी समेत विजिलेंस टीम और ऊर्जा निगम के कर्मचारी मौजूद रहे।

एसएमजेएन कॉलेज में यूओयू का क्षेत्रीय कार्यालय खुला

हरिद्वार। एसएमजेएन (पीजी) कॉलेज में मंगलवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में एक विशाल पुस्तक मेले का भी आयोजन हुआ। मेले में विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित की गईं, जिससे उनमें उत्साह देखा गया।कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी सहित कई शिक्षाविद उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि यह कार्यालय विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के व्यापक अवसर देगा। उन्होंने बताया कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा उन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है जो नियमित अध्ययन नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय से प्रवेश, अध्ययन, परीक्षा और परामर्श जैसी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर मिलेंगी।

ट्रांसपोर्ट नगर में बना दिया डंपिंग जोन, व्यापारी परेशान

हरिद्वार। ट्रांसपोर्ट नगर में खाली पड़ी जमीन को कूड़ा डंपिंग जोन बना दिया गया। यहां रोजाना ट्रैक्टर–ट्रॉलियों से कूड़ा लाकर डाला जा रहा है। कूड़े के कारण आसपास गंदगी फैल गई है और दुर्गंध के कारण व्यापारियों और यहां आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है।

व्यापारियों के मुताबिक, पिछले कुछ समय से खाली जगह पर कूड़ा डाला जा रहा है। ये नहीं मालूम कि ये कौन डाल रहा है व कौन डलवा रहा है। ट्रांसपोर्ट नगर में पहले से ही वाहनों की आवाजाही और धूल के कारण दिक्कत रहती है।

फोर्स क्लोज शिकायत की डीएम ने मौके पर पहुंचकर जांची हकीकत

देहरादून, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों के निस्तारण की वास्तविक स्थिति जांचने के लिए जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने सोमवार को शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया। डीएम ने चकराता रोड, जीएमएस रोड और शिमला बाईपास रोड पर पहुंचकर सड़कों की स्थिति, निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की प्रगति तथा हेल्पलाइन शिकायतों के धरातलीय निस्तारण की हकीकत जानी।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान संबंधित शिकायतकर्ताओं से फोन पर सीधे बातचीत कर यह भी जाना कि विभाग द्वारा शिकायत के समाधान के संबंध में दी गई जानकारी वास्तव में मौके की स्थिति से मेल खाती है या नहीं।

पोर्टल पर शिकायत बंद करना पर्याप्त नहीं

डीएम ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर फोर्स क्लोज की गई शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि केवल पोर्टल पर शिकायत बंद कर देना शिकायत का निस्तारण नहीं माना जाएगा। शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक और संतोषजनक समाधान धरातल पर होना जरूरी है।

शिमला बाईपास पर गड्ढे देखकर जताई नाराजगी

निरीक्षण के दौरान मेहूंवाला क्षेत्र में शिमला बाईपास रोड पर जगह–जगह गड्ढे पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तत्काल गड्ढे भरकर सड़क को सुरक्षित और सुचारु बनाने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सड़क की गुणवत्ता और आमजन के सुरक्षित आवागमन को प्राथमिकता देते हुए कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए।

फोर्स क्लोज शिकायत की मौके पर हुई जांच

जिलाधिकारी ने शिमला बाईपास चौक से सेंट जूड्स स्कूल होते हुए कमला पैलेस तक मार्ग की खराब स्थिति से संबंधित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शिकायत का भी निरीक्षण किया। यह शिकायत शिकायतकर्ता पूजा भटगाईं द्वारा दर्ज कराई गई थी। विभाग की ओर से शिकायत को शिकायतकर्ता की संतुष्टि के आधार पर फोर्स क्लोज किया जाना दर्शाया गया था। मौके पर सड़क की स्थिति देखने के बाद डीएम ने शिकायतकर्ता से दूरभाष पर वार्ता की और वास्तविक स्थिति जानी। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि मार्ग पर सड़क रिस्टोरेशन का कार्य अगले दिन से शुरू किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कार्य में किसी भी प्रकार की देरी न करने और निर्धारित समय में सड़क को ठीक करने के निर्देश दिए।

10.5 लाख रुपये से अधिक की स्मैक के साथ तीन गिरफ्तार

देहरादून, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर जनपद पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रायपुर, डालनवाला और डोईवाला थाना क्षेत्रों में पुलिस ने तीन अलग–अलग मामलों में 34.75 ग्राम अवैध स्मैक के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बरामद स्मैक की अनुमानित कीमत 10 लाख 50 हजार रुपये से अधिक है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में आरोपियों के नशे के कारोबार में शामिल होने की जानकारी सामने आई है।

रायपुर में 15.52 ग्राम स्मैक बरामद

थाना रायपुर पुलिस ने 29 सितंबर को चेकिंग के दौरान गुरुद्वारा रोड के पास से मंगलु पुत्र पप्पूनाथ (24) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 15.52 ग्राम स्मैक बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 4.50 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह स्मैक हरिद्वार के एक स्थानीय व्यक्ति से कम कीमत में खरीदकर देहरादून में अधिक कीमत पर बेचने की फिराक में था। मामले में थाना रायपुर में मु0अ0सं0 401/2026, धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

डालनवाला निवासी आरोपी 9.43 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार

दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने शुभम चौहान उर्फ पिंकू पुत्र जोनेन्द्र सिंह (34) निवासी अम्बेडकर नगर, डीएल रोड, डालनवाला को 9.43 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार बरामद स्मैक की अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपये है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग दर्ज किया गया है।

डोईवाला में महिला आरोपी गिरफ्तार

तीसरी कार्रवाई में डोईवाला पुलिस ने 28 सितंबर को केशवपुरी बस्ती के पास मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान किरन पत्नी मंगना (26) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 9.80 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई,

अब ईडी करेगी संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच

देहरादून। अर्बन कोऑपरेटिव बैंक में घोटाले की जांच अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी करेगा। उत्तराखंड पुलिस ने संदिग्ध वित्तीय लेनदेन और बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों के इनपुट मिलने के बाद संबंधित फाइलें ईडी को भेजी हैं।देहरादून अर्बन को–ऑपरेटिव बैंक के फॉरेंसिक ऑडिट में बैंक के ऋण वितरण और वित्तीय रिकॉर्ड में अनियमितताओं के संकेत मिले हैं। आरोप है कि वर्ष 2013–14 से नियमों को ताक पर रखकर चुनिंदा लोगों को ऋण बांटे गए। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जेसीबी मशीनों की खरीद दिखाकर ऋण स्वीकृत कराने और बैंक को घाटे में होने के बावजूद रिकॉर्ड में मुनाफा दर्शाने की गड़बड़ियां भी जांच में सामतने आई हैं। बैंक के नौ हजार से अधिक खाताधारकों की 124 करोड़ रुपये से ज्यादा की जमा राशि फंसी हुई है। मामले में पुलिस की एसआईटी और आर्थिक अपराध शाखा जांच कर चुकी हैं। तत्कालीन शाखा प्रबंधक महाबीर सिंह और बैंक के आईटी अधिकारी समेत आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है। आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने बताया कि मामले की फाइलें ईडी को भेजी गई हैं। केंद्रीय एजेंसी इस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी।

मालदेवता में देर रात हुड़दंग, आपस में भिड़े दो पक्ष

देहरादून, थाना रायपुर क्षेत्र के मालदेवता में देर रात सार्वजनिक स्थान पर शोर–शराबा और आपसी विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के पांच युवकों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, 28/29 सितंबर की देर रात कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना मिली थी कि मालदेवता क्षेत्र में कुछ व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर जोर–जोर से शोर–शराबा करते हुए आपस में झगड़ा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना रायपुर पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

मौके पर जानकारी करने पर पता चला कि किसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। पुलिस द्वारा दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन आरोप है कि वे और अधिक उग्र हो गए तथा एक–दूसरे के साथ गाली–गलौज और धक्का–मुक्की करने लगे।स्थिति बिगड़ने और शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों के कुल 05 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

अलकनंदा गर्ल्स हॉस्टल में खाने को लेकर छात्राओं का विरोध

देहरादून। देहरादून स्थित यूनिवर्सिटी के अलकनंदा गर्ल्स हॉस्टल में भोजन की गुणवत्ता को लेकर छात्राओं में नाराजगी देखने को मिली। छात्राओं ने हॉस्टल में परोसे जा रहे भोजन को लेकर विरोध जताते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं।छात्राओं का आरोप है कि भोजन में कथित तौर पर घोंघा , कीड़े और कील जैसी आपत्तिजनक चीजें मिली हैं। इसको लेकर छात्राओं में आक्रोश है और उन्होंने हॉस्टल प्रबंधन से भोजन की गुणवत्ता एवं साफ–सफाई व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं।छात्राओं का कहना है कि हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों को बेहतर एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। भोजन में कथित तौर पर ऐसी चीजें मिलना स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है। छात्राओं ने मामले की जांच कराने और भोजन व्यवस्था में सुधार की मांग की है।मामले से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें छात्राएं भोजन की गुणवत्ता को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर करती दिखाई दे रही हैं।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

नीरू ढांडा ने रचा इतिहास: एशियाई खेलों में ट्रैप शूटिंग का पहला महिला गोल्ड, 48 साल का सूखा खत्म

नागोया (एजेंसी)। एशियाई खेलों में भारत के लिए एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। नीरू ढांडा ने शूटिंग में महिलाओं की ट्रैप शूटिंग एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। यह 2026 एशियाई खेलों में भारत का पाँचवाँ गोल्ड मेडल और कुल 47वाँ पदक है, जिससे भारत पदक तालिका में ग्यारहवें स्थान पर आ गया है। नीरू की यह जीत इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि उन्होंने न केवल एशियाई खेलों का रिकॉर्ड तोड़ा बल्कि एशियाई खेलों के इतिहास में ट्रैप शूटिंग की एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला शूटर भी बन गई हैं। नीरू ढांडा ने फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। उन्हें 30 शॉट मिले, जिनमें से उन्होंने 28 पर सटीक निशाना साधा, जिससे उन्होंने एशियाई खेलों का नया रिकॉर्ड स्थापित किया। इस प्रदर्शन के साथ वह एशियाई खेलों की चैंपियन बनने के साथ-साथ रिकॉर्ड होल्डर भी बन गई हैं। इस स्पर्धा में चीन की सुन युनगोंग ने 26 के स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि कुवैत की हजर अब्दुलमलिक ने 21 के स्कोर पर कांस्य पदक जीता।

ट्रैप शूटिंग की बात करें तो, नीरू से पहले एशियाई खेलों के 75 साल के इतिहास में कोई भी भारतीय महिला शूटर ट्रैप एकल स्पर्धा का गोल्ड नहीं जीत पाई थी। नीरू ऐसा करने वाली पहली महिला एथलीट बनी हैं। उन्होंने क्वालीफिकेशन राउंड में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कतर की शूटर के साथ संयुक्त रूप से 118 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था, जो उनकी शानदार फॉर्म का प्रमाण था। भारत ने ट्रैप शूटिंग इवेंट में आखिरी बार एकल स्पर्धा का गोल्ड मेडल 48 साल पहले, साल 1978 में जीता था। उस समय पुरुषों की ट्रैप शूटिंग की एकल स्पर्धा में रणधीर सिंह ने गोल्ड जीता था। उसके बाद से एशियाई खेलों की ट्रैप शूटिंग एकल स्पर्धा में भारत गोल्ड पर निशान नहीं साध पाया था। साल 2026 नीरू के लिए काफी बढ़िया गुजरा है। वो इसी साल जुलाई में ट्रैप शूटिंग में वर्ल्ड कप गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला शूटर बनी थीं। उन्होंने इटली में खेले गए शॉटगन वर्ल्ड कप के ट्रैप इवेंट में वर्ल्ड कप गोल्ड मेडल जीता था। इस स्वर्ण के साथ, भारत के कुल स्वर्ण पदकों की संख्या 5 हो गई है। अब तक भारत के लिए महिला क्रिकेट टीम, महिला और पुरुष कबड्डी टीम, शूटिंग में कमलजीत और सुरुचि सिंह ने भी गोल्ड मेडल जीते हैं। भारत के कुल पदकों की संख्या 47 हो गई है।

एशियन गेम्स: शपथ भारद्वाज पुरुषों की ट्रैप शूटिंग के व्यक्तिगत फाइनल में पहुंचे, टीम पदक से चूकी

नागोया (एजेंसी)। एशियन गेम्स में ट्रैप शूटर शपथ भारद्वाज ने 117 पॉइंट्स के साथ क्वालीफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के बाद पुरुषों के ट्रैप शूटिंग व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हालांकि, भारतीय पुरुष ट्रैप टीम पदक जीतने से चूक गई। हांगझोऊ 2023 में कांस्य पदक जीतने वाले कायनन चेनाई 115 पॉइंट्स के साथ 16वें स्थान पर और अहवर रिजवी 107 पॉइंट्स के साथ 32वें स्थान पर रहे, जिसके कारण दोनों फाइनल से चूक गए। शपथ व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में 117 पॉइंट्स के साथ संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर रहे और कतर के मोहम्मद अल-रुमाही और कजाकिस्तान के अलीशेर ऐसालबायेव के साथ तीन-तरफा शूट-ऑफ में शामिल हुए, जिसमें फाइनल में दो जगह दांव पर थीं। फिर उन्होंने आखिरी दो जगहों के लिए एक नर्वस तीन-तरफा शूट-ऑफ में जीत हासिल की और अल-रुमाही को हराकर मेडल राउंड में अपनी जगह पक्की की।

इस बीच, शपथ, कायनन और अहवर की ट्रैप मेन्स टीम 339 के कुल स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहने के बाद पदक से चूक गई, जो टीम के लिए निराशाजनक रहा। इससे पहले, नीरू ढांडा, आशिमा अहलावत और मनीषा कीर की महिला ट्रैप टीम ने मंगलवार को महिला ट्रैप टीम इवेंट में रजत पदक जीता, जिससे शूटिंग में देश के पदकों की संख्या 13 हो गई। तीनों ने 125-शॉट के क्वालीफिकेशन राउंड के तीन दिनों के बाद कुल 328 का स्कोर बनाया और रजत के लिए कुवैत की चुनौती पर जीत हासिल की। चीन ने 346 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण जीता, जबकि कुवैत ने 325 के साथ कांस्य जीता। नीरू ढांडा ने क्वालीफिकेशन में 118 के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहने के बाद व्यक्तिगत फाइनल के लिए भी क्वालीफाई किया। हालांकि, आशिमा और मनीषा ने क्रमशः 106 और 104 का स्कोर किया और 16वें और 23वें स्थान पर रहने के बाद फाइनल से चूक गईं। शूटिंग में अब तक जीते गए 13 पदकों में से भारत के पास सिर्फ एक स्वर्ण है, जो मिक्स्ड 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट से आया है, जिसमें कमलजीत और सुरुचि सिंह ने देश के लिए स्वर्ण पदक जीता था। भारत के पदकों की कुल संख्या फिलहाल 46 है, जिसमें 4 स्वर्ण, 21 रजत और 21 कांस्य पदक शामिल हैं।

2027 वनडे वर्ल्ड कप का शेड्यूल 1 अक्टूबर को होगा घोषित, 14 टीमें लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। अगले साल खेले जाने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप के शेड्यूल का एलान 01 अक्टूबर, गुरुवार को किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और क्रिकेट साउथ अफ्रीका मिलकर इस महाकुंभ का पूरा कार्यक्रम जारी करेंगे। यह टूर्नामेंट अफ्रीका के तीन देशों दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में खेला जाएगा। इस बार 14 टीमें खेलती हुई नजर आएंगी, जिसके साथ टूर्नामेंट के फॉर्मेट में भी बदलाव किया गया है। शेड्यूल के एलान के साथ ही टिकटों के लिए बैलेट भी शुरू होगा। हालांकि टिकट तुरंत खरीद के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, लेकिन फैंस अपनी रुचि रजिस्टर कर सकेंगे।

रिपोर्ट में शेड्यूल की तारीख को लेकर बताया गया है। इसके साथ यह भी बताया गया है कि टूर्नामेंट अगले साल 02 अक्टूबर से शुरू होने की उम्मीद है। अफ्रीका में होने वाले विश्व कप की शुरुआत को भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती से जोड़ा जा रहा है, और इसी के चलते उनकी जयंती के दिन टूर्नामेंट को शुरू करने के विचार किया जा रहा है। अक्टूबर की शुरुआत में शुरू होने वाला यह टूर्नामेंट नवंबर में समाप्त होगा। खिताबी मैच 21 नवंबर को खेले जाने की संभावना है।

वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाली 14 में से 10 टीमें 30 सितंबर तक तय हो जाएंगी। इनमें से दो टीमें मेजबान देश दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे होंगी। बाकी आठ टीमें आईसीसी की वनडे रैंकिंग के आधार पर सीधे जगह हासिल करेंगी। शेष चार टीमें क्वालिफायर के जरिए टूर्नामेंट में प्रवेश करेंगी और उन्हें शेड्यूल में क्वालिफायर 1, 2, 3 और 4 के तौर पर सूचीबद्ध किया जाएगा। गौर करने वाली बात यह है कि मेजबान देश नामीबिया का क्वालिफिकेशन अभी तक पक्का नहीं हो सका है।

फिलहाल रैंकिंग के हिसाब से जगह बनाने की दौड़ में भारत (नंबर 1), न्यूजीलैंड (नंबर 2), पाकिस्तान (नंबर 4), ऑस्ट्रेलिया (नंबर 5), इंग्लैंड (नंबर 6), श्रीलंका (नंबर 7), अफगानिस्तान (नंबर 8) और बांग्लादेश (नंबर 9) शामिल हैं। बांग्लादेश 9वें पायदान पर रहकर भी जगह हासिल कर सकता है क्योंकि तीसरे नंबर की दक्षिण अफ्रीका मेजबान के तौर पर अपनी जगह हासिल कर चुकी है। वहीं, वेस्टइंडीज जैसी कुछ बड़ी टीमों को क्वालिफायर के जरिए ही टूर्नामेंट में जगह हासिल करनी होगी, जिससे प्रतियोगिता और भी रोमांचक होने की उम्मीद है।

एशियाई खेलों में भारत का जैवलिन में डबल धमाल: यशवीर को सिल्वर, रोहित को ब्रॉन्ज

नागोया (एजेंसी)। एशियाई खेल 2026 में भारत को पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में दोहरे पदक का गौरव प्राप्त हुआ है। इस इवेंट में यशवीर सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया, जबकि रोहित यादव ने कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। इस स्पर्धा में श्रीलंका के रुमेश पथिरागे ने 88.55 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता और शीर्ष स्थान पर रहे। यशवीर सिंह ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 85.72 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो दर्ज करते हुए सिल्वर मेडल पर कब्जा किया। उन्होंने 83.56 मीटर के थ्रो के साथ इवेंट की शुरुआत की थी। गौर करने वाली बात यह है कि उनके सभी छह प्रयासों में उन्होंने 80 मीटर से अधिक की दूरी तय की, जो उनकी निरंतरता और ताकत को दर्शाता है। यशवीर को चोटिल नीरज चोपड़ा की जगह एशियाई खेलों में मौका मिला था, और उन्होंने इस अवसर को पूरी तरह से भुनाते हुए भारत की झोली में एक महत्वपूर्ण रजत पदक डाल दिया।

वहीं, रोहित यादव की शुरुआत ज्यादा कुछ खास नहीं रही थी। उन्होंने पहले प्रयास में 77.25 मीटर का थ्रो किया था। हालांकि, इसके बाद उन्होंने वापसी करते हुए अपने बाकी के चार प्रयासों में 80 मीटर से दूर ही जैवलिन फेंका। उनका तीसरा प्रयास 84.35 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा, जिससे उन्होंने कांस्य पदक सुनिश्चित किया। रोहित का छठा और अंतिम प्रयास अमान्य घोषित किया गया था, लेकिन उनके शुरुआती प्रदर्शन ने उन्हें पोडियम पर जगह दिला दी। इस इवेंट में पाकिस्तान के लिए ओलंपिक पदक विजेता अरशद नदीम ने भी हिस्सा लिया। अरशद की तरफ से उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन देखने को नहीं मिला। उन्होंने 80.29 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया। उनके 6 में से सिर्फ 2 ही थ्रो मान्य रहे, बाकी सब अमान्य हुए। पहले प्रयास में अरशद ने 76.69 मीटर दूर भाला फेंका, और फिर तीसरे प्रयास में उन्होंने 80.29 मीटर का थ्रो दर्ज किया, जिससे वह चौथे पायदान पर रहे। भारत के लिए जैवलिन थ्रो में एक ही इवेंट में दो पदक जीतना देश में इस खेल की बढ़ती ताकत और गहराई को दर्शाता है।

एशियन गेम्स 2026 : पदक तालिका में चीन शीर्ष पर कायम, भारत 12वें स्थान पर

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में चीन ने पदक तालिका में अपना दबदबा बनाए रखा है। सोमवार तक के आंकड़ों के अनुसार, चीन 230 पदकों के साथ पहले स्थान पर है, जबकि जापान और साउथ कोरिया टॉप-3 में मौजूद हैं। भारत कुल 45 पदकों के साथ 12वें पायदान पर है। चीन और जापान के बीच कुल पदकों का अंतर भी काफी बड़ा है। चीन के 230 पदक के मुकाबले जापान के खाते में 172 पदक हैं। दोनों देशों के बीच 91 स्वर्ण पदक का अंतर है, जो चीन के जबरदस्त प्रदर्शन को दर्शाता है। चीन ने अब तक कुल 230 पदक हासिल किए हैं, जिनमें 132 स्वर्ण, 53 रजत और 45 कांस्य पदक शामिल हैं। चीन ने तैराकी में सर्वाधिक 30 स्वर्ण जीते हैं, और एथलेटिक्स में यह देश कुल 32 पदक अपने नाम कर चुका है। वहीं, मेजबान जापान 41 स्वर्ण, 68 रजत और 63 कांस्य सहित कुल 172 पदक के साथ दूसरे स्थान पर है। एथलेटिक्स में इस देश के नाम 8 स्वर्ण सहित कुल 28 पदक हैं। साउथ कोरिया कुल 91 पदक के साथ तीसरे स्थान पर है, जिनमें 21 स्वर्ण, 26 रजत और 44 कांस्य हैं। इस देश ने फेंसिंग में सर्वाधिक 4 स्वर्ण पदक जीते हैं। इसके बाद उज्बेकिस्तान चौथे स्थान पर है, जिसने कुल 42 पदक (12 स्वर्ण, 17 रजत और 13 कांस्य) अपने नाम कर लिए हैं। यह देश कुराश में 4 स्वर्ण जीत चुका है, वहीं रोइंग और कैनो स्प्रिंट में उज्बेकिस्तान ने 9-9 पदक जीते हैं। 9 स्वर्ण, 13 रजत और 23 कांस्य सहित 45 पदक के साथ कजाकिस्तान टॉप-5 में है, जिसने साइकिलिंग रोड में 3 स्वर्ण जीते हैं। भारत कुल 45 पदक के साथ 12वें स्थान पर है। इनमें 4 स्वर्ण, 20 रजत और 21 कांस्य पदक हैं। भारत के स्वर्ण पदकों में महिला क्रिकेट टीम, पुरुष और महिला कबड्डी टीमों के साथ निशानेबाजी की 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम का योगदान है। एथलेटिक्स में भारत ने सर्वाधिक 19 पदक, जबकि शूटिंग में 12 पदक जीते हैं, जो इन खेलों में देश की मजबूत पकड़ को दर्शाता है।

भारतीय मूल की बोधना शिवानंदन बनीं सबसे युवा महिला ग्रैंडमास्टर, रचा शतरंज का इतिहास

नई दिल्ली । भारतीय मूल की 11 वर्षीय बोधना शिवानंदन ने शतरंज के खेल में एक नया इतिहास रच दिया है। बोधना ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित 46वें चेस ओलंपियाड में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करते हुए अपना तीसरा और अंतिम वुमन ग्रैंडमास्टर (डब्ल्यूजीएम) नॉर्म हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ, बोधना इतिहास में वुमन ग्रैंडमास्टर का खिताब जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने इंग्लैंड की महिला टीम के लिए टॉप बोर्ड पर खेलते हुए टीम की शानदार अगुवाई की, जहाँ उन्होंने छह गेम जीते और 8.0/11 का प्रभावशाली स्कोर हासिल किया, जिससे इंग्लैंड महिला वर्ग में 15वें स्थान पर रहा। बोधना स्वयं बोर्ड 1 पर टूर्नामेंट की 13वीं सबसे बेहतरीन खिलाड़ी रहीं। इससे पहले, सबसे युवा वुमन ग्रैंडमास्टर का रिकॉर्ड रूस की ग्रैंडमास्टर कैटरीना लैग्नो के नाम पर था, जिन्होंने 12 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। उनके अलावा, चीन की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन होउ यिफान ने भी 12 साल की उम्र में यह खिताब हासिल किया था। बोधना ने इन दोनों दिग्गजों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए एक साल पहले ही यह सम्मान अपने नाम किया है। शिवानंदन की शतरंज यात्रा कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान शुरू हुई थी।

एशियन गेम्स क्रिकेट : भारत-श्रीलंका, पाकिस्तान-बांग्लादेश सेमीफाइनल में, बारिश से तय हुई टीमें

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों में क्रिकेट इवेंट्स पर खराब मौसम की मार लगातार जारी है, जिसके चलते कई मैच रद्द हुए और बेहतर रैंकिंग के आधार पर टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब पुरुष क्रिकेट इवेंट के सेमीफाइनल मुकाबले तय हो गए हैं। भारतीय समयानुसार 1 अक्टूबर को दो बड़े मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा सेमीफाइनल सुबह 10:30 बजे से शुरू होगा। वहीं, पहला सेमीफाइनल पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा। भारत और श्रीलंका दोनों ने ही बारिश के कारण अपने क्वार्टर फाइनल रद्द होने के बाद बेहतर सीडिंग या रैंकिंग के आधार पर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। श्रीलंका को नेपाल के खिलाफ अपने तीसरे क्वार्टर फाइनल में बारिश के कारण खेलने का मौका नहीं मिला और उनकी बेहतर रैंकिंग ने उन्हें सीधे सेमीफाइनल का टिकट दिला दिया। इसी तरह, भारतीय टीम ने भी लीग स्टेज में अपने बेहतर प्रदर्शन और रैंकिंग के दम पर शीर्ष-4 में जगह पक्की की थी, जबकि खराब मौसम के कारण भारत के क्वार्टर फाइनल मैच को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं थी। अब यह निश्चित हो गया है कि दोनों टीमें 1 अक्टूबर को फाइनल में जगह बनाने के लिए एक-दूसरे से भिड़ेंगी।

दूसरी ओर, पहला सेमीफाइनल पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा। बांग्लादेश को भी अपने चौथे और आखिरी क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के खिलाफ बारिश का सामना करना पड़ा और वह मुकाबला भी रद्द हो गया। बांग्लादेश ने अपनी बेहतर सीडिंग के आधार पर सेमीफाइनल में एंट्री मारी। पाकिस्तान, जो टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक मानी जाती है, पहले ही अपनी अच्छी रैंकिंग के दम पर सेमीफाइनल में जगह बना चुकी थी। इन दोनों टीमों के बीच का मुकाबला भी काफी रोमांचक होने की उम्मीद है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि क्रिकेट इवेंट को पिछली दफा चीन के हांगझोऊ में खेले गए एशियाई खेलों में पहली बार शामिल किया गया था। तब भारतीय टीम ने रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में गोल्ड मेडल जीता था। उस समय भी फाइनल मुकाबला वर्षाबाधित रहा था। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.2 ओवर में 5 विकेट पर 112 रन बनाए थे, जिसके बाद बारिश आ गई और मैच आगे नहीं बढ़ पाया। ऐसे में भारतीय टीम को बेहतर रैंकिंग के आधार पर बिना बल्लेबाजी किए ही स्वर्ण पदक से नवाजा गया था। मौजूदा टूर्नामेंट में भी भारतीय टीम अपने खिताब को बरकरार रखने की प्रबल दावेदार मानी जा रही है और वह एक बार फिर स्वर्ण पदक अपने नाम करने की पूरी कोशिश करेगी।

दूसरा वनडे हारकर भी ऑस्ट्रेलिया ने रचा इतिहास, तोड़ा 13 साल पुराना रिकॉर्ड

जोहान्सबर्ग । साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को 32 रनों से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इस मुकाबले में टीम ने एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। 366 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 49.5 ओवर में 333 रनों पर ऑलआउट हो गई। यह वनडे क्रिकेट के इतिहास में असफल रन चेज़ के दौरान ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा स्कोर है। ऑस्ट्रेलिया ने इस मामले में अपने ही पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया का असफल चेज़ में सबसे बड़ा स्कोर 326 रन था, जो उसने नवंबर 2013 में भारत के खिलाफ बनाया था। उस मैच में भारत ने रोहित शर्मा के शानदार 209 रनों की बदौलत 7 विकेट पर 383 रन बनाए थे। जवाब में, जॉर्ज बेली की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम 45.1 ओवर में 326 रन पर ऑलआउट हो गई थी, जिसमें जेम्स फॉकनर ने 73 गेंदों पर 116 रनों की तूफ़ानी पारी खेली थी, लेकिन टीम जीत हासिल नहीं कर सकी थी।

इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के गेंदबाजों को द वांडरर्स स्टेडियम की पिच पर कड़ी चुनौती मिली। साउथ अफ्रीका के दोनों सलामी बल्लेबाज जल्दी आउट हो गए, लेकिन कप्तान टेम्बा बावुमा ने 116 गेंदों पर 103 रन और डेविड मिलर ने 93 गेंदों पर 142 रनों की तूफ़ानी पारी खेलकर टीम को 50 ओवर में 9 विकेट पर 365 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

जवाब में, ऑस्ट्रेलिया ने शानदार शुरुआत की। मिचेल मार्श ने 53 गेंदों पर 84 रन, जिसमें 10 चौके और 5 छक्के शामिल थे, और ट्रैविस हेड ने 76 गेंदों पर 84 रन बनाकर पहले विकेट के लिए 17 ओवर में 130 रनों की साझेदारी की। ब्योर्न फोर्टुइन ने इस साझेदारी को तोड़ा, जिसके बाद कूपर कॉनॉली जल्दी आउट हो गए और ट्रैविस हेड को एडेन मार्करम ने एलबीडब्ल्यू किया। मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने शुरुआत तो की, लेकिन कोई भी बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सका। ऑस्ट्रेलिया ने 40वें ओवर तक 251 रन बनाए थे, लेकिन इसके बाद टीम ने तेजी से 6 विकेट गंवा दिए और मैच पूरी तरह उसके हाथ से निकल गया। निचले क्रम में जेवियर बार्टलेट ने केवल 28 गेंदों पर पांच छक्कों की मदद से तेजतर्रार 50 रन बनाए और टीम को 300 के पार पहुंचाया। उनकी आक्रामक पारी ने मुकाबले में कुछ रोमांच तो पैदा किया, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकी और ऑस्ट्रेलिया 49.5 ओवर में 333 रन पर ऑलआउट हो गई।

इस हार के साथ साउथ अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे 30 सितंबर को सेनवेस पार्क, पोटचेफस्ट्रूम में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज के दोनों मुकाबले लक्ष्य का पीछा करते हुए गंवाए हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि तीसरे वनडे में पैट कमिंस को खेलने का मौका मिलता है या नहीं। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज भी खेलनी है।

विराट कोहली का गुवाहाटी से गहरा नाता: 56वें शतक की उम्मीदें

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली एक बार फिर गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में लौट रहे हैं, जहां उनका बल्ला अक्सर आग उगलता है। लगभग तीन साल बाद किंग कोहली का यह आगमन भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं, खासकर तब जब उनसे उनके 56वें एकदिवसीय शतक की उम्मीद की जा रही है। यह मैदान विराट के लिए किसी शिकारी के पसंदीदा जंगल से कम नहीं, जहां वह पहले भी बड़े शिकार कर चुके हैं। उनके चेहरे की मुस्कान तिरुवनंतपुरम से गुवाहाटी की उड़ान भरते समय ही बता रही थी कि उन्हें इस मैदान से कितना लगाव है। यह मैच बुधवार 30 सितंबर को खेला जाना है।

पिछली बार जनवरी 2023 में जब विराट ने यहां श्रीलंका के खिलाफ अपना 45वां वनडे शतक जड़ा था, तो वह 2023 विश्व कप की तैयारियों का अहम हिस्सा था। उस मैच में भारत के तत्कालीन कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था। रोहित और शुभमन गिल ने 143 रनों की मजबूत साझेदारी करके नींव रखी थी, जिसके बाद विराट कोहली क्रीज पर आए। उनका आगमन किसी बड़े तूफान से पहले की शांति जैसा था, जिसने देखते ही देखते श्रीलंकाई गेंदबाजों को बेदम कर दिया। विराट ने अपनी ट्रेडमार्क शैली में बल्लेबाजी करते हुए महज 87 गेंदों में 113 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली थी, जिसमें 12 चौके और 1 छक्का शामिल था। उनका स्ट्राइक रेट 130 का रहा था, जो दर्शाता है कि उन्होंने कितने आक्रामक अंदाज में रन बनाए थे। चाहे वह श्रीलंकाई बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मधुशंका हों, या वनिंदु हसरंगा, दुनिथ वेल्लालागे और दासुन शनाका जैसे स्पिनर, कोई भी चीकू चैंपियन को रोक नहीं पाया। उस शतकीय पारी ने भारत को एक विशाल स्कोर तक पहुंचने में मदद की और मैच को एकतरफा बना दिया। उस 45वें शतक के बाद विराट ने अपने वनडे शतकों की संख्या 55 तक पहुंचा दी है, और अब 2027 विश्व कप की तैयारियों के बीच उनसे 56वें शतक की उम्मीदें आसमान छू रही हैं। उनका फॉर्म लगातार शानदार रहा है और वे क्रिकेट के सबसे बड़े रन चेज़र्स में से एक के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को लगातार मजबूत कर रहे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ इस श्रृंखला में उनका प्रदर्शन टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, खासकर तब जब भारत 2027 विश्व कप के लिए अपनी रणनीति को आकार दे रहा है। विराट की बल्लेबाजी से न सिर्फ उन्हें बल्कि कप्तान रोहित शर्मा जैसे अन्य खिलाड़ियों को भी फायदा मिलता है। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के बाद 15,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बनकर कई मील के पत्थर भी हासिल किए हैं। गुवाहाटी में उनका यह आगमन, उनकी पुरानी सफलताओं की याद दिलाते हुए, एक और ऐतिहासिक पारी की उम्मीद जगाता है। उनके फैंस और पूरा क्रिकेट जगत इस किंग के बल्ले से एक और धमाका देखने को बेताब है।